RNI NO-UPHIN/2023/84340

सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

नगर संस्करण | hpshukla50@gmail.com | शुक्रवार, 13 दिसंबर 2024 | वर्षः 02, अंकः 298 पृष्ठः 8, मूल्यः 2 रू. | प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

अखाड़ों की तैयारियों को भी परखा

सीएम योगी ने सेक्टर 20 में स्थित अखाड़ों का भी स्थलीय निरीक्षण किया। वह यहां सबसे पहले श्री पंचायती अखाड़ा बड़ा उदासीन पहुंचे, जहां सीएम ने अखाड़े के प्रवेश द्वार पर मौजूद संतो के साथ कुछ देर बातचीत की। संतो ने सीएम का स्वागत किया। उदासीन बड़ा के बाद श्री पंचायती अखाड़ा निरंजनी और आनंद अखाड़े के शिविर में भी सीएम पहुंचे और वहां की व्यवस्थाएं देखीं। आनंद अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर शंकरानन्द सरस्वती जी ने सीएम को अखाड़े के अंदर आमंत्रित किया। सीएम ने उन्हें अगली बार आने का आश्वासन दिया। सीएम अन्य अखाड़ों के बाहर तैयारियों और व्यवस्था का भौतिक निरीक्षण करने के बाद वहां से रवाना हो गए। यहां से त्रिवेणी मार्ग गंगा रिवर फ्रंट रोड झूंसी और छतनाग घाट का भी उन्होंने निरीक्षण किया। यहां उन्होंने श्रद्धालुओं के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

स्थलीय निरीक्षण के दौरान सीएम योगी के साथ डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, जल शक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह, औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी, पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह और पूर्व विधायक व विधायक सिद्धार्थनाथ सिंह समेत अन्य नेतागण व अधिकारी मौजूद रहे।

सीएम योगी ने लिया महाकुम्भ की तैयारियों का जायजा

पीएम मोदी के कार्यक्रम के लिए की जा रही तैयारियों पर जताया संतोष, दिए आवश्यक दिशा निर्देश

सीएम योगी ने संगम नोज पर पीएम मोदी के दर्शन और पूजन की तैयारियों का लिया जायजा

महाकुम्भ के दौरान घाटों पर स्नानार्थियों की सुविधा और सुरक्षा का पूरा ध्यान रखने के निर्देश

हनुमान प्रसाद शुक्ल
सबसे तेज प्रयागराज

महाकुम्भनगर। महाकुम्भ 2025 के लिए हजारों करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण करने शुक्रवार को प्रयागराज आ रहे पीएम मोदी के कार्यक्रमों की तैयारियों का जायजा लेने के लिए गुरुवार को सीएम योगी प्रयागराज पहुंचे। उन्होंने महाकुम्भ नगर में चल रही तैयारियों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान वह संगम नोज भी पहुंचे जहां पीएम मोदी शुक्रवार को पूजन अर्चन करेंगे। उन्होंने यहां पीएम मोदी के भ्रमण की पूरी रूपरेखा को समझा और बिना बाधा कार्यक्रम संपन्न कराने के लिए अधिकारियों को दिशा निर्देश प्रदान किए। यही नहीं, सीएम योगी ने मेला क्षेत्र में अस्थायी अस्पताल, अक्षय वट, सरस्वती कूप, लेटे हनुमान मंदिर पहुंचकर वहां भी तैयारियों का जायजा लिया। लेटे हनुमान मंदिर में सीएम ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजन व दर्शन भी किया। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को पीएम मोदी प्रयागराज में उपस्थित रहेंगे और संगम नोज पर गंगा आरती व पूजन के साथ ही वह यहां जनसभा को भी संबोधित करेंगे।

अस्थायी अस्पताल में वेंटिलेशन का दिया निर्देश

सीएम योगी सबसे पहले सेक्टर वन परेड में बनाए गए 100 बेड के अस्थायी अस्पताल का निरीक्षण करने पहुंचे। महाकुम्भ 2025 को देखते हुए चिकित्सा परिवार कल्याण विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा इस अस्थायी अस्पताल का निर्माण किया गया है। मुख्यमंत्री ने यहां इमरजेंसी वार्ड, इंटेंसिव केयर यूनिट (आईसीयू), ओपीडी के साथ ही वेटिंग एरिया, मुख्य वार्ड, फीमेल वार्ड, चिल्ड्रेन वार्ड और ऑपरेशन थिएटर का गहन निरीक्षण किया। वहां मौजूद डॉक्टरों ने उन्हें अस्पताल में दी जा रही सुविधाओं के विषय में जानकारी दी। आईसीयू में एआई कैमरों के इस्तेमाल के साथ ही हाईटेक एआई मैसेजिंग फ्लो सिस्टम के बारे में उन्हें पूरे विस्तार से बताया गया। इसके साथ ही, अस्पताल में स्थापित लैबोरेट्री के विषय में भी बताया गया, जिस पर मुख्यमंत्री ने प्रसन्नता व्यक्त की।

केंद्रीय अस्थायी अस्पताल के माध्यम से हर संभव मदद मिलनी चाहिए

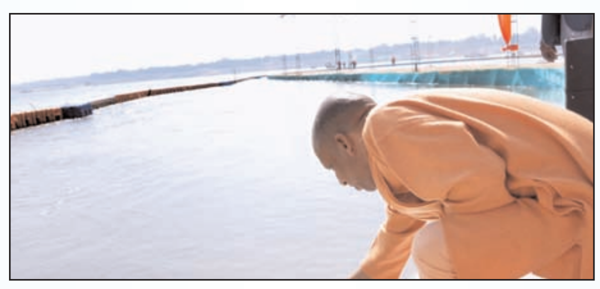

सीएम ने कहा कि महाकुम्भ के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु आएंगे। केंद्रीय अस्थायी अस्पताल के माध्यम से उन्हें हर संभव मदद मिलनी चाहिए। चिकित्सकों के साथ ही स्टाफ और दवाइयों की कोई कमी नहीं रहनी चाहिए। इसके अतिरिक्त उन्होंने अस्पताल में वेंटिलेशन के बेहतर इंतजाम किए जाने के भी निर्देश दिए। मालूम हो कि महाकुम्भ के लिए बनाए गए इस अस्थायी अस्पताल में कुल 100 बेड हैं, जिसमें 10 बेड का आईसीयू भी सम्मिलित है। इसमें कुल 381 डॉक्टर्स को तैनात किया गया है, जिसमें फिजीशियन, सर्जन, गायनेकोलॉजिस्ट, पीडियाट्रिक्स समेत अन्य शामिल हैं। 10 बेड के आईसीयू को कैंट बोर्ड संचालित करेगा, जिसमें मेदांता के डॉक्टर्स का भी सहयोग रहेगा।

संगम नोज का किया स्थलीय निरीक्षण

अस्पताल से सीएम सीधा किला घाट पहुंचे जहां उन्होंने नव निर्मित जेटी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को घाट पर श्रद्धालुओं के स्नान व अन्य सुविधाओं को सुनिश्चित करने के साथ ही सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। यहां से सीएम संगम नोज पहुंचे, जहां शुक्रवार को पीएम मोदी पूजन अर्चन करेंगे। उन्होंने यहां स्थलीय निरीक्षण किया। मेलाधिकारी विजय किरण आनंद ने उन्हें पीएम मोदी के क्रूज से भ्रमण को लेकर सभी तैयारियों के विषय में विस्तृत से जानकारी दी। सीएम ने सभी व्यवस्थाओं को देखा और सभी पैरामीटर्स का ध्यान रखते हुए आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए। वह काफी देर यहां रुके और गंगा की निर्मल धारा को निखारते रहे।

अक्षय वट के किए दर्शन

यहां से सीएम योगी ने प्रयाग किले के अंदर स्थित अक्षय वट कॉरिडोर का स्थलीय निरीक्षण किया। सीएम ई कार्ट से अक्षय वट कॉरिडोर पहुंचे। यहां स्मार्ट सिटी के तहत किए जा रहे कार्यों को उन्होंने देखा और अक्षय वट के विषय में जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने दर्शन कर पूर्जा अर्चना की। सीएम ने यहां चल रहे सौंदर्यीकरण खासकर श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप प्रतिमा को सराहा और फोटो शूट भी कराया। सप्तऋतियों की कलाकृतियों को देखकर भी वह भाव विभोर हो गए। यहां आर्मी के अधिकारियों ने उन्हें अक्षय वट की तस्वीर भी भेंट की।

सीएम ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हनुमान मंदिर में की पूजा

सीएम योगी ने यहां से संगम तट पर स्थित बड़े हनुमान मंदिर कॉरिडोर का रुख किया। प्रयागराज डेवलपमेंट अथॉरिटी (पीडीए) द्वारा यहां कॉरिडोर फेज-1 का कार्य किया जा रहा है। सीएम ने तैयारियों का जायजा लिया और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हनुमान जी की पूजा अर्चन कर आरती उतारी। यहां दर्शन पूजन कर उन्होंने समस्त नागरिकों की सुख समृद्धि की कामना की। इस दौरान उनके साथ मंदिर के महंत और श्रीमठ बाघंबरी के पीठाधीश्वर बलबीर गिरी महाराज भी मौजूद रहे। इस अवसर पर पीडीए वीसी ने उन्हें मंदिर कॉरिडोर का ले-आउट प्लान भी दिखाया। सीएम ने समस्त कार्यों में तेजी लाते हुए समय पर कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। यहां से सीएम सरस्वती कूप के दर्शन करने पहुंचे। यहां उन्होंने प्रांगण में स्थित सरस्वती जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए।

सीएम ने देखा जियो ट्यूब तकनीक से शोधन का कार्य

सरस्वती कूप के दर्शन कर सीएम प्राधिकरण ऑफिस पहुंचे, जहां से सीएम ने सेक्टर 6 में एसटीपी सलोरी ड्रेन द्वारा जियो ट्यूब विधि से शोधन कार्य का निरीक्षण किया। जियो ट्यूब एक नई तकनीक है जिसके माध्यम से सीवर और नालों का पानी एसटीपी में भेजा जाता है। इन ट्यूब में ही 50 से 60 प्रतिशत बीओडी कम हो जाता है।

डीजी रेलवे सुरक्षा बल ने महाकुंभ -2025 की तैयारियों की समीक्षा की

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। गुरुवार को महानिदेशक/रेलवे सुरक्षा बल मनोज यादव ने आगामी महाकुंभ -2025 के लिए रेलवे सुरक्षा बल द्वारा की गई तैयारियों की समीक्षा करने के लिए प्रयागराज मण्डल/उत्तर मध्य रेलवे का दौरा किया । महानिदेशक/रेलवे सुरक्षा बल ने प्रयागराज जंक्शन, प्रयागराज छिवकी, नैनी, एवं

सूबेदारगंज स्टेशनों का दौरा किया । इस अवसर पर महानिदेशक/रेलवे सुरक्षा बल ने नैनी- छिवकी में "शहीद जगबीर सिंह आरपीएफ बैरक" और सूबेदारगंज में "शहीद ज्ञान चंद आरपीएफ बैरक" का उद्घाटन किया । इस उद्घाटन समारोह में महाप्रबंधक/ उत्तर मध्य रेलवे, श्री उपेन्द्र चंद्र जोशी; उत्तर मध्य रेलवे, उत्तर रेलवे एवं पूर्वोत्तर रेलवे के महानिरीक्षक-सह-प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त, ए एन सिन्हा; मण्डल रेल प्रबंधक/प्रयागराज हिमांशु बडोनी एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे ।

रेलवे सुरक्षा बल कर्मियों के आराम और दक्षता को बढ़ाने के लिए बैरक को अत्याधुनिक तरीके से डिजाइन किया गया है । नैनी-छिवकी में 60 बिस्तरों वाले बैरक का नाम शहीद जगबीर सिंह के नाम पर रखा गया है, जिन्होंने 2019 में चार बच्चों को बचाने के लिए दिल्ली के पास वीरतापूर्वक अपने जीवन का बलिदान दिया । सूबेदारगंज में 100 बिस्तरों वाले बैरक का नाम शहीद ज्ञान चंद के नाम पर रखा गया है जिन्होंने 2021 में भरवारी में एक महिला यात्री को संभावित दुर्घटना से बचाते समय अपनी जान गंवा दी थी । इन शहीदों के परिवार के सदस्यों को इस कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया और महानिदेशक/रेलवे सुरक्षा बल द्वारा उन्हें सम्मानित किया गया । महानिदेशक/रेलवे सुरक्षा बल ने कहा कि संगठन अपने बहादुर कर्मियों की विरासत को संरक्षित करने के लिए प्रतिबद्धता है । रेलवे सुरक्षा बल और रेलवे सुरक्षा विशेष बल कर्मचारियों के आराम और सुविधा को सुनिश्चित करने के लिए दोनों बैकों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है । इन बैरकों में एयर कंडीशनिंग, जिम, मनोरंजन कक्ष, वॉशिंग मशीन, रेफ्रिजरेटर, डीप फ्रीजर, माइक्रोवेव ओवन, फ्लाई कैचर, जूता शाइनर, आटा मिक्सर, ब्लोअर और बिस्तरों के साथ व्यक्तिगत लॉकर जैसी सुविधाएं उपलब्ध करायी गयीं हैं । इन सुविधाओं के साथ मनोबल बढ़ाने के लिए म्यूजिक सिस्टम के साथ कर्मचारियों के लिए सुखद परिवेश और वातावरण भी शामिल हैं ।

150 दिव्यांग छात्र-छात्राओं को उपकरणों का किया वितरण

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा परिषदीय विद्यालयों के दिव्यांग छात्र-छात्राओं को उपकरण वितरण शिविर का आयोजन बी0आर0सी0 सिराथू में किया गया। शिविर में अस्थि दिव्यांग छात्र-छात्राओं को 23 ट्राई साइकिल, सेरेब्रल पाल्सी बच्चों को 26 व्हील चेयर एवं एक सी0पी0 चेयर, पांच रोलेटर, नेत्रहीन बच्चों को 4 ब्रेलकिट, 2 स्मार्ट कैन, श्रवण बाधित बच्चों को 20 श्रवण यंत्र, मानसिक मंदित बच्चों को 04 एम0आर0 किट, आठ

बैसाखी तथा 10 कैलीपर वितरित किया गया। इस प्रकार कुल 150 छात्र-छात्राओं को उपकरणों का वितरण किया गया। इस अवसर पर प्रतिनिधि ब्लॉक प्रमुख सिराथू लवकुश मौर्य, खंड शिक्षाधिकारी सिराथू अनिल सिंह, प्रभारी जिला समन्वयक समेकित शिक्षा धर्मनाथ व ब्लॉक अध्यक्ष कड़ा अफरोज आलम तथा एलिम्को टीम कानपुर के विशेषज्ञों के साथ-साथ समस्त स्पेशल एजुकेटर एवं फिजियोथैरेपिस्ट उपस्थित रहें।

रामगंगा के किनारे मिली अधजली लाश

देर रात घर से निकला था, दो महिलाओं के छोड़कर जाने से तनाव में था

संजीव विश्वकर्मा

सबसे तेज प्रयागराज

बिजनौर! स्योहारा थाना क्षेत्र में राम गंगा किनारे एक व्यक्ति की आधा जला शव पड़ा मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और कानूनी कार्रवाई में जुट गई। युवक की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। स्योहारा थाना क्षेत्र के मुकरपुरी के रहने वाले मिंटू (32) पुत्र राम सिंह का शव गुरुवार को राम गंगा नदी के पास आधी जली हालत में पड़ा मिला। सूचना पर एसपी पूर्वी धर्म सिंह मर्छाल

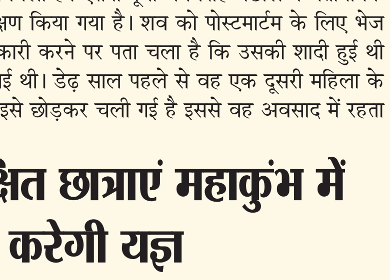

सीओ और कोतवाल पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और जांच पड़ताल कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों का कहना है कि देर रात लगभग 3:00 बजे मिंटू घर से गया था। सुबह उन्हें जानकारी मिली की उसका शव राम गंगा के पास पड़ा मिला है। एसपी पूर्वी धर्म सिंह मर्छाल ने बताया कि मौके की बारीकी से निरीक्षण किया गया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों से जानकारी करने पर पता चला है कि उसकी शादी हुई थी और पत्नी छोड़कर चली गई थी। डेढ़ साल पहले से वह एक दूसरी महिला के साथ रह रहा था। वह भी इसे छोड़कर चली गई है इससे वह अवसाद में रहता था।

50 प्रशिक्षित छात्राएं महाकुंभ में करेगी यज्ञ

शासी निकाय के अध्यक्ष पंकज जायसवाल ने महाकुंभ की तैयारियों की दी जानकारी

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज । आर्य कन्या महाविद्यालय में महर्षि दयानन्द सरस्वती की 2000वीं जयंती के उपलक्ष्य में महायज्ञ एवं महाकुंभ के कार्यक्रम पर विचार के लिए एवं यज्ञ कार्यशाला के समापन पर सभा का आयोजन एवं शिक्षक अभिभावक बैठक आज हुई । अध्यक्ष शासी निकाय पंकज जायसवाल ने कुंभ में आर्य समाज के प्रचार प्रसार में छात्राओं के योगदान की बात कही। महाविद्यालय की 50 छात्राओं ने महाविद्यालय में आयोजित वैदिक हवन की पद्धति को प्रयोगात्मक तरीके से सीखा। यह छात्राएं महाकुंभ में यज्ञ में अपना योगदान देगी। शिक्षक, अभिभावक मीटिंग में अभिभावकों ने महाविद्यालय की प्रशंसा की और अपने सुझाव और समस्याएं रखीं जिनका निराकरण अध्यक्ष शासी निकाय

पंकज जायसवाल ने किया । आगामी वर्ष में आपने विज्ञान वर्ग के शुरूआत करने की योजना पर बात की । वरिष्ठ समाज सेविका श्रीमती रंजना जायसवाल ने आर्य कन्या की अधिसंरचना में आए सकारात्मक बदलावों की भूरि - भूरि प्रशंसा की ।आपने वंचित विद्यार्थियों की फीस ,पुस्तकालय में पुस्तकों के योगदान में सहयोग देने का वादा दिया । आपने हेल्थ चेक अप भी आयोजित करने के लिए कहा। आर्य कन्या पीजी कॉलेज की प्राचार्या प्रो अर्चना पाठक ने शिक्षक अभिभावक संघ में आए सभी लोगों का स्वागत किया । संचालन डॉ रंजना त्रिपाठी ने किया ,धन्यवाद ज्ञापन प्रो नीलांजना जैन ने किया ।कार्यक्रम में लॉ डायरेक्टर ममता गुप्ता, प्रो सुधा सिंह, प्रो अंजू श्रीवास्तव, प्रो निलांजन जैन, डॉ निशा , डॉ सोनम , डॉ मुदिता, डॉ शशि , डॉ शशि ,डॉ आरती,डॉ भारती,डॉ अमित व श्री विजय एवं श्रीमती संध्या आर्य ,आर्य कन्या इंटर कॉलेज की अध्यापिकाएं आदि उपस्थित रहे।

भीड़-भाड़ वाले इलाकों, कस्बों, गांवों चौपाल लगाकर महिलाओं/बालिकाओं को स्वयं की सुरक्षा के लिए जागरूक

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक, फतेहपुर के कुशल निर्देशन में तथा अपर पुलिस अधीक्षक के निकट पर्यवेक्षण में आयोजित ह्लमिशन शक्तिह्व पंचम चरण व ऑपरेशन जागृति के तहत नारी सशक्तिकरण की कार्यवाही के अनुक्रम में समाज में नारी सुरक्षा व सम्मान एवं नारी स्वावलंबन हेतु जनपद के समस्त थानों द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्रो में महिला पुलिसकर्मी (शक्ति दीदी) व पुरूष पुलिसकर्मियों द्वारा शहरी एवं ग्रामीण अंचलों में जाकर भीड़-भाड़ वाले इलाकों, कस्बों, गांवों चौपाल लगाकर महिलाओं/बालिकाओं को स्वयं की सुरक्षा हेतु विभिन्न पैतरों के साथ-साथ उ0प्र0 सरकार द्वारा जारी किये गये हेल्पलाइन नम्बरो 1090-वीमेन पॉवर लाइन, 181-महिला हेल्प लाइन, 108-एम्बुलेंस सेवा, 1076झमुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 112-पुलिस आपातकालीन सेवा, 1098चाइल्ड लाइन, 102-स्वास्थ्य सेवा,1930- साइबर क्राइम तथा थानों पर स्थापित महिला हेल्प डेस्क के बारे में विस्तृत जानकारी के साथ-साथ महिला सशक्तिकरण से संबंधित उ0प्र0 शासन की विभिन्न योजनाओं व प्राथमिकताओ के सम्बन्ध में भी जानकारी देते हुए जागरूकता संबंधी पंपलेट वितरित किया गया ।

इसी क्रम में जनपद के विभिन्न थानों की एन्टी रोमियो टीम द्वारा प्रमुख चौराहो, पार्को एवं भीड-भाड वाले स्थानो के आस-पास चेकिंग कर मनचलों पर प्रभावी अंकुश लगाए जाने के दृष्टिगत अभियान चलाया गया ।

छात्राओं/महिलाओं को नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वावलम्बन के लिए किया जागरूक

ब्यूरो चीफ

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी बृजेश कुमार श्रीवास्तव के निर्देशन में जनपद के विभिन्न थानों के थाना प्रभारी व महिला बीट उपनिरीक्षक / आरक्षियों द्वारा चौराहों / बस स्टैण्ड / टैक्सी स्टैण्ड / जिला अस्पताल / विद्यालय / गांव व कस्बा में भ्रमण कर/चौपाल लगाकर मिशन शक्ति कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस क्रम में थाना संदीपन घाट पुलिस टीम द्वारा हयार्पुर मे भ्रमण कर , थाना कडाधाम पुलिस टीम द्वारा अलावलपुर टिकरी में चौपाल लगाकर, थाना कौशांबी पुलिस टीम द्वारा ग्राम आम कुवाँ में जाकर, थाना मंझनपुर पुलिस टीम द्वारा मंझनपुर बाजार और प्रदर्शनी मे भ्रमण कर, थाना पिपरी पुलिस टीम द्वारा थाना क्षेत्र में ,थाना पश्चिम शरीरा पुलिस टीम द्वारा झारखंडी देवी मंदिर व बाजार मे भ्रमणशील रहकर , थाना

कोखराज पुलिस टीम द्वारा रामहित प्राथमिक विद्यालय अलीगंज मे जाकर ,थाना सैनी पुलिस टीम द्वारा काशीराम कॉलोनी सिराथु मे जाकर , थाना करारी पुलिस टीम द्वारा ग्राम लहना प्राथमिक विद्यालय व ग्राम पंचायत भवन लहना मे जाकर , थाना महेवाघाट पुलिस टीम द्वारा ग्राम भवनसूरी , रानीपुर मे जाकर , थाना मो0पुर पंइसा पुलिस टीम द्वारा ग्राम अनेठा मे , महिला थाना पुलिस टीम द्वारा* क्षेत्र मे भ्रमणशील रहते हुए/चौपाल लगाकर/कार्यक्रम का आयोजन कर बच्चियों/छात्राओं/महिलाओं को नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वावलम्बन कार्यक्रम के बारे में जागरूक किया गया तथा उनके प्रति होने वाले किसी भी अपराध एवं संबंधित अपराधियों के बारे में तत्काल पुलिस एवं शक्ति मित्र महिला पुलिसकर्मियों अथवा थानों में बने महिला हेल्प डेस्क पर सूचना देने के लिए जागरूक किया गया । महिलाओं एवं बच्चियों को पम्पलेट वितरित कर विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों के बारे में जैसे- (1) 1076 मा० मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, (2) 1090 वीमन पावर हेल्पलाइन, (3) 1930 साइबर अपराध हेल्पलाइन, (4) 102 स्वास्थ सेवा, (5)108 एंबुलेंस सेवा, (6) 1098 चाइल्ड हेल्प लाइन, (7) 181 वन स्टाप सेन्टर, तथा (8) 112 पुलिस आपात कालीन सेवा आदि के बारे में विस्तारपूर्वक बताया गया तथा इमरजेन्सी कॉल/पैनिक बटन का मोबाइल पर उपयोग करने हेतु डेमो दिखाया गया एवं महिला अपराध आदि की जानकारी देते हुए उनके अधिकारों के प्रति जागरुक किया गया तथा सरकार द्वारा जारी विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं (1)सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना (2)मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना (3)अभ्युदय योजना (4)मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना (5)निराश्रित महिलाओं को पेंशन योजना (6)राष्ट्रीय पोषण मिशन योजना (7) आयुष्मान योजना आदि के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी दी गयी ।

पुलिस ने पास्को एक्ट के एक आरोपी को दबोचा

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक फतेहपुर धवल जायसवाल के निर्देशन में वांछित/वारण्टियों की गिरफ्तारी व अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में गुरुवार को थाना किशनपुर पुलिस द्वारा पाक्सो एक्ट से सम्बंधित वांछित अभियुक्त मो0 सन्नी पुत्र तस्सन हुसैन निवासी सिलमी थाना किशनपुर जनदप फतेहपुर गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय भेजा गया ।

आपसी मनमुटाव को भुलाकर दम्पति साथ रहने को हुए राजी

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। पति-पत्नी के मध्य पारिवारिक विवाद से संबंधित मामलों में मध्यस्थता/काउंसलिंग की दैनिक कार्यवाही के क्रम में गुरुवार को प्रभारी निरीक्षक संगीता सिंह व काउंसलर सदस्य ऋषि राज त्रिपाठी व श्रीमती मंजू शुक्ला द्वारा 01 प्रकरण में समझौता कराया गया। मौके पर सहयोगार्थ म0का0 यशस्वी शर्मा व म0का0 ममता शर्मा मौजूद रही।

जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन कर किया गया जागरूक

सबसे तेज प्रयागराज

बाराबंकी। पुलिस अधीक्षक बाराबंकी दिनेश कुमार सिंह के निर्देशन में बाराबंकी पुलिस के समस्त थानों की महिला बीट अधिकारी द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों में चौपाल लगाकर महिलाओं/बालिकाओं को महिला सम्बन्धी साइबर अपराध के सम्बन्ध में जागरुक कर महिला एवं बच्चों से सम्बन्धित समस्याओं व घरेलू हिंसा से संरक्षण, दहेज प्रतिषेध, कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न निवारण, पाक्सो, बाल विवाह प्रतिषेध व महिलाओं की गरिमा के विरुद्ध प्रमुख अपराधों की जानकारी दी गई। महिला हिंसा से सम्बन्धित तथा अन्य शिकायतों के निवारण हेतु 1. वूमेन पावर लाइन (1090) 2. पुलिस आपातकालीन सेवा (112) 3. सीएम हेल्पलाइन नंबर (1076) 4. चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर (1098) 5. वन स्टाप सेन्टर (181) 6. साइबर हेल्पलाइन नंबर (1930) 7. स्वास्थ्य सेवा हेल्पलाइन नंबर (102) 8. एम्बुलेन्स सेवा (108) 9. जनसुनवाई पोर्टल, स्थानीय थाने की हेल्प डेस्क, जिला संरक्षण अधिकारी, राष्ट्रीय/राज्य महिला आयोग, जनपद न्यायालय में स्थित जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सम्बन्ध में एवं साइबर अपराध के बारे में जागरूक किया गया।

पुलिस द्वारा आपरेशन नशा मुक्ति के तहत शराबी नशेडी एवं अन्य प्रकार के मादक पदार्थ के सेवन करने वाले अभ्यस्त व्यक्तियों के विरूद्ध निरोधात्मक कार्यवाही व संदिग्ध स्थलों का चिन्हीकरण कर आवश्यक कार्यवाही की गई।

डीएम ने आईजीआरएस शिकायतों के निस्तारण का स्वयं मौका मुआयना किया

निस्तारण सही पाये जाने पर जताई प्रसन्नता

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी । आई०जी०आर०एस० सन्दर्भ राख्या-20017424014509 शिकायतकर्ता दुक्खू पुत्र रामस्वरूप निवासी-बमनपुरवा मजरा बंधवा रजबर तहसील मंझनपुर द्वारा पट्टूटा की पैमाइश कराने के सम्बन्ध में दिये गये शिकायती प्रार्थना पत्र का स्थलीय एवं अभिलेखीय जांच कराया गया, जिसमें पाया गया कि आ०सं०-66 रकबा 0.05780 भूमि बजर के नाम दर्ज है। आराजी में प्रार्थी दुक्खू पुत्र रामस्वरूप को 100 मि० आवासीय पट्टा का आवंटन प्राप्त है, जिसे विपक्षी द्वारा जोत-बो कर अस्थाई रूप में कब्जा किया गया था, जिसे दिनांक-19.11.2024 को पुनः राजस्व टीम व पुलिस टीम के साथ उपस्थित होकर पैमाइश कर पट्टेधारक दुक्खू पुत्र रामस्वरूप को कब्जा दखल दिया गया आवेदक कार्यवाही से सतुष्ट है। जिसका सत्यापन जिलाधिकारी द्वारा मौके पर स्वयं किया गया, जिसका निस्तारण सही पाया गया।

इसी प्रकार आई०जी०आर०एस० सन्दर्भ स०-92417400003194 शिकायतकर्ता रीता देवी पत्नी भइयन निवासिनी-ग्राम बंधवा रजवर परगना व तहसील मंझनपुर जनपद कौशाम्बी द्वारा कब्जे के सम्बन्ध में शिकायत की गयी थी। प्रकरण का स्थलीय व अभिलेखीय जांच राजस्व टीम द्वारा कराये जाने पर पाया गया कि ग्राम बंधवा रजवर में मौके पर आवेदिका से पूँछा गया, तो आवेदिका द्वारा अवगत कराया गया कि इस शिकायत से मेरा किसी प्रकार का कोई सरोकार नहीं है। प्रार्थना पत्र गॉव के ही उदल द्वारा दिया जा रहा है। अवैध अतिक्रमण का उल्लेख किया गया तो पाया गया कि गांव के ही उदल द्वारा सड़क के किनारे ग्रामसभा की भूमि पर भैंस जावनर बांधकर आवागमन बाधित किए हुए थे। जिसे मौके पर खाली करा दिया गया है। जिसका सत्यापन जिलाधिकारी द्वारा मौके पर स्वयं किया गया, जिसका निस्तारण सही पाया गया। आई०जी०आर०एस० सन्दर्भ संख्या-20017424014902 शिकायतकर्ता कुंवारे लाल पुत्र होरी लाल निवासी-रामपुर बसोहरा तहसील मझनपुर जनपद कौशाम्बी द्वारा जमीन की पैमाइस कराने के सम्बन्ध मे शिकायत की गयी थी, जिसका स्थलीय एवं अभिलेखीय जांच कराया गया, जिसमें पाया गया कि ग्राम-अम्बावा पश्चिम स्थित गाटा सं0-40 सुखराम आदि के नाम संक्रमणीय भूमिधरी अंकित है। गाटा सं०-41 कुवारें लाल आदि के नाम संक्रमणीय भूमिधर अंकित है। स्थलीय पैमाइस कर दोनो गाटों के मध्य की मेड़ के विवाद का समाधान करा दिया गया है। दोनो पक्ष संतुष्ट है। जिसका सत्यापन जिलाधिकारी द्वारा मौके पर स्वयं किया गया, निस्तारण सही पाये जाने पर जिलाधिकारी ने प्रसन्नता जताई।

दुष्कर्म के वांछित अभियुक्त पकड़ा गया

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी।

पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार श्रीवास्तव के निर्देश पर जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना मंझनपुर पुलिस उ०नि० कृष्ण कुमार यादव मय हमराह पुलिस बल द्वारा पॉक्सो एक्ट से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त अमर सिंह उर्फ अमर चन्द्र पुत्र रवीचन्द्र नि० ग्राम ओंसा थाना मंझनपुर जनपद कौशाम्बी को शहीद स्मारक फरीदपुर के पास से गिरफ्तार किया गया।

वाहन चेकिंग के दौरान की गई कार्यवाही

कौशांबी। जनपद में चलाये जा रहे यातायात से सम्बन्धित अभियान के क्रम में जनपद स्तर पर विभिन्न थानों व यातायात पुलिस द्वारा यातायात नियमों का पालन न करने वालों के विरुद्ध सघन चेकिंग की गई, चेकिंग के दौरान दो-पहिया/चार पहिया वाहनों को चेक किया गया। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 144 वाहनों का ई-चालान किया गया एवं 02 वाहनों को सीज किया गया।

कोरियर सर्विस के नाम पर ठगी के शिकार व्यक्ति के 35 हजार 498 रुपए की धनराशि बैंक खाते में वापस कराया

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर । पुलिस अधीक्षक फतेहपुर धवल जायसवाल के निर्देशन में चलाये जा रहे साइबर फ्रॉड/पीड़ित आमजनमानस के प्रा०पत्रों के निस्तारण अभियान के क्रम में थाना बिंदकी पुलिस द्वारा गुरुवार को आनलाइन ठगी के शिकार पीड़ित आवेदक रईस अहमद खान पुत्र स्व0 जाबिर खान निवासी ग्राम जिगनी थाना बिन्दकी जनपद फतेहपुर द्वारा एनसीआरपी पोर्टल पर प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर बताया कि अज्ञात व्यक्ति द्वारा कोरियर सर्विस के नाम पर उन्हे व्हाट्सएप पर लिंक भेजकर उनके बैंक खाते से 35696 रुपए ट्रांसफर करा लिये गये है। थाना बिन्दकी साइबर हेल्पडेस्क टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए आवेदक से ट्रांसफर हुये रूपयो का विवरण प्राप्त करते हुये तत्काल लाभार्थी बैंक के अधिकारियों से वार्ता करते हुये उन्हे प्रकरण से अवगत कराया गया था तथा खाते में शेष बचे रूपयों को होल्ड करा दिया गया था, अन्य विधिक कार्यवाही पूरी करवाकर आवेदक 35498 रुपए की

धनराशि आवेदक उपरोक्त के बैंक खाते में पुन: वापस करा दिया गया है। शिकायतकर्ता द्वारा जनपदीय उच्चाधिकारियों व बिन्दकी पुलिस थाना टीम का आभार व्यक्त किया । जनमानस से अपील की जाती है कि किसी भी अनजान व्यक्ति को ओटीपी, डेबिट कार्ड/केडिट कार्ड डिटेल एवं यूजर आईडी पासवर्ड शेयर न करें, चाहें वह बैंक कर्मी हो या ट्रेजरी आफिसर या अन्य कोई । कोई व्यक्ति यदि बातों-बातों में आपसे कोई रिमोट एक्सेस एप जैसे- क्वीक सपोर्ट, एनीडेस्क आदि डाउलोड करने को कहे तो कदापि डाउनलोड न करें। विभिन्न माध्यमो जैसे एसएमएस, ई-मेल, व्हाट्सएप मैसेज आदि पर प्रसारित / प्राप्त हो रहे लिंक को न खोलें। किसी भी कम्पनी का कस्टमर केयर नम्बर गूगल पर सर्च करके प्रयोग में न लायें नम्बर प्राप्त करने हेतु उस कम्पनी द्वारा उपलब्ध कराये गये डाक्यूमेंट को देखें या केवल आधिकारिक वेबसाइटों पर उपलब्ध नम्बर का प्रयोग करें ।

एटीएम से पैसे निकालते समय ध्यान रखें कि कोई दूसरा व्यक्ति आपका एटीएम कार्ड बदल न पायें एवं पैसा निकालने से पूर्व उस मशीन में स्किमर एवं कैमरा न लगा हो चेक कर ले । अपने मोबाइल को किसी अनजान व्यक्ति को कदापि न दें । विभिन्न सरकारी आवास योजनाओ का लाभार्थी बताकर यदि कोई पैसे मांगे तो कदापि पैसे न दे । यदि आपके मोबाइल नंबर पर मैसेज या काल आता है कि आपके दोस्त/रिश्तेदार ने रुपये भेजे है, उसे रिसीव कर ले या आप उस लिंक को क्लिक करें तो आपके खाते में राशि आ जाएगी तो ध्यान रखे कि यह काल आनलाइन फ्रॉड की भी हो सकती है और इस पर क्लिक करने से आपके खाते से रुपए कट सकते है, अत : जाँच परख के बाद ही लेन देन करे ।

आधार कार्ड के माध्यम से पैसा निकालने के लिये रजिस्टर्ड सीएसपी का उपयोग करें। किसी भी प्रकार की साइबर क्राइम सम्बन्धी शिकायत को दर्ज करने हेतु नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल या टोल फ्री नं0 1930 डायल करें या अपने बैंक को घटना के सम्बन्ध में अवगत कराते हुये नजदीकी थाने की साइबर सेल में सम्पर्क करे।

बैं क कर्मियों ने किसानों के खातों से निकाले रुपए

समाधान होने तक धरने की चेतावनी, किसान यूनियन का प्रदर्शन

संजीव विश्वकर्मा
सबसे तेज प्रयागराज

बिजनौर में भाकियू कार्यकताओं ने धरना दिया। बिजनौर में बैंक कर्मियों द्वारा किसानों के खाते से लाखों रुपए धोखाधड़ी कर निकाले जाने का आरोप लगाते हुए आज भारतीय किसान यूनियन के दर्जनों कार्यकताओं ने इकट्ठा होकर बैंक के क्षेत्रीय कार्यालय के बाहर जोरदार धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया है। आज दर्जनों किसान भारतीय किसान यूनियन टिकैत के बैनर तले इकट्ठा होकर जोरदार नारेबाजी औरप्रदर्शन करते हुए नजीबाबाद रोड स्थित प्रथमा यूपी ग्रामीण बैंक के क्षेत्रीय कार्यालय पर पहुंचे और वहां पर जोरदार नारेबाजी कर धरने पर बैठ गए। किसानों का आरोप है कि प्रथम यूपी ग्रामीण बैंक की पावटी शाखा से किसानों के साथ धोखाधड़ी कर लाखों रुपए से ज्यादा की रकम निकाली गई है।

भारतीय किसान यूनियन के नेता ने कहा कि प्रथमा ग्रामीण बैंक की पावटी शाखा में किसानों के साथ धोखाधड़ी हुई है। बैंक कर्मियों द्वारा बिना पढ़े-लिखे किसानों के खाते से रकम निकाल कर अपनी जेब में रखी गई है। इससे बैंक की शाख भी खराब हुई है और गरीब मजदूर किसानों को आर्थिक नुकसान हुआ है, जो उनसे सहन नहीं हो सकता। इसलिए आज क्षेत्रीय कार्यालय पर धरना दिया जा रहा है और किसानों के अनेक समस्या अब यहीं से लड़ी जाएंगी। चाहे गन्ने की समस्या हो और चाहे कोई और समस्या हो।इन खातों से निकाली गई रकम चालू खाताः

छोटी, कोमलः 1,30,000 कमलाः 2,55,000 सुमनः 3,50,000 इस्लामुद्दीनः 1,00,000 रामकुमरः 1,00,000 विमलः 90,000 सुनीताः 40,000 बलवीरः 50,000 कृषि कार्डः सुकराम (मरने के बाद): इन खातों से निकाली गई रकम चालू खाताः छोटी, कोमलः ,30,000 कमलाः 2,55,000 सुमनः 3,50,000 इस्लामुद्दीनः 1,00,000 रामकुमरः 1,00,000 विमलः ?90,000 सुनीताः ?40,000 बलवीरः 50,000 कृषि कार्डः सुकराम (मरने के बाद): 1,49,000 जहरुद्दीनः 1,35,000 जसईदः 1,10,000 राजपालः 1,00,0001, 49,000 जहरुद्दीनः 1,35,000 जसईदः 1,10,000 राजपालः 1,00,000 महेंद्र सिंहः 3,60,000 जयपालः 3,00,000 राशिदः 1,50,000 विर्मलः 1,20,000 हनीफः 4,17,000

कार्तिकेय, खुशी, शिवानी, साहिल ने मारी बाजी

डीआईओएस पीएन सिंह ने सभी को प्रोत्साहित कर किया सम्मानित

दिव्यांग छात्र - छात्राओं के विकास के लिए हुई प्रतियोगिता

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। समग्र शिक्षा माध्यमिक दिव्यांग विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए समेकित शिक्षा, के अंतर्गत आज केपी इंटर कॉलेज में राजकीय एवं अशासकीय सहायता प्राप्त विद्यालय में अध्यनरत दिव्यांग छात्र-छात्राओं के विकास के लिए जिला स्तरीय चित्रकला ,,खेल कूद ,एवं भजन तथा लोकगीत जैसे कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि डीआईओएस पी एन सिंह ने किया जबकि अध्यक्षता संयोजक प्रधानाचार्य डॉ योगेंद्र सिंह ने किया।। मुख्य अतिथि डीआईओएस पीएन सिंह ने कहा कि दिव्यांग छात्र-छात्राएं आज जिस उत्साह से इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए एकत्रित हैं मैं सबको शुभकामना देता हू और विश्वास दिलाता हू की माध्यमिक शिक्षा आपके समग्र विकास के लिए हर समय आपके साथ है ।उन्होंने कहा कि आप में ऐसी प्रतिभा हैं जो एक सुदृढ़ समाज के लिए नजीर है। इस अवसर पर जिला समन्यक कुमुद तिवारी, विनय प्रकाश अकाउंट ऑफिसर रमसा, संजय, समीर राय ,राकेश मिश्रा, राजीव मिश्रा, संदीप तिवारी , निकिता श्रीवास्तव स्पेशल एजुकेटर मौजूद रहे। संचालन उमेश खरे ने किया। प्रतियोगिता चित्रकला में जिसका विषय था, स्वच्छ स्कूल स्वच्छ भारत स्वच्छ पर्यावरण, में प्रथम स्थान कार्तिकेय राजकीय अभिनव विद्यालय तथा द्वितीय पुरस्कार मुस्कान बानो लक्ष्मी नारायण इंटर कॉलेज,एवं तृतीय पुरस्कार नेहा राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परवेजाबाद को मिला ।गायन में खुशी सेठ प्रथम, खुशी साकेत द्वितीय एवं अंजली केसरवानी तृतीय स्थान पर रही। रस्सा कसी में टीम ए विजय रही जिसमें कार्तिकेय ,साहिल ,और आर्यन गौतम ,को सम्मानित किया गया रस्सा कशी बालिका वर्ग में शिवानी, यादव ,शिवानी विश्वकर्मा ,खुशी और सनहा की टीम विजयी रही। कुर्सी दौड़ में साहिल प्रथम ,अनुज द्वितीय ,कार्तिकेय तृतीय ,एवं नेहा चौथे स्थान पर रही, सभी स्थान प्राप्त छात्र-छात्राओं को प्रशन पत्र एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया तथा सभी प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को सहभागिता प्रमाण पत्र दिया गया। प्रतियोगिता को सफल बनाने में ओम प्रकाश सिंह,नितिन पटेल,सिमरन कपरिया, राज विजय,शिवम का सहयोग सराहनीय रहा।

कप्तान द्वारा थाना कोतवाली पडरौना का वार्षिक निरीक्षण कर दिये -निर्देश

सबसे तेज प्रयागराज

कुशीनगर। पुलिस अधीक्षक कुशीनगर संतोष कुमार मिश्रा द्वारा थाना कोतवाली पडरौना का वार्षिक निरीक्षण किया गया। सर्वप्रथम पुलिस अधीक्षक द्वारा सलामी ली गयी। सलामी गार्द मे सभी महिला कर्मचारी थी जिनके द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर पुलिस अधीक्षक द्वारा सभी को 500-500/- रुपये का नकद पुरस्कार प्रदान किया गया।

उसके उपरान्त सम्पूर्ण थाना परिसर का भ्रमण कर थाना कार्यालय, मालखाना, हवालात, मेस, बैरक, कम्प्यूटर कक्ष आदि का निरीक्षण किया। बैरक में पंखे, लाईट आदि लगवाने, साफ-सफाई करवाने, थाना परिसर में खड़े लावारिस वाहनों का नीलामी करवाकर परिसर को खाली करवाने, जर्जर भवनों को कंडम कराने, पुलिस कर्मियो को रहने हेतु नये बैरक/आवास निर्माण हेतु प्रस्ताव भेजने आदि के संबंध में संबंधित को निर्देशित किया गया। थाने पर उपस्थित उपनिरीक्षकों व आरक्षियों से शस्त्रों को खोलने जोड़ने व शस्त्रो के बारे में जानकारी ली गयी तथा शस्त्रों की नियमित साफ-सफाई के निर्देश दिए गये। मालखाने को चेक किया गया और पुराने माल को निस्तारित कराने हेतु संबंधित को निर्देशित किया गया। उसके उपरान्त रजिस्टर्स/अभिलेखों के व्यवस्थित रख-रखाव तथा उन्हें अद्यावधिक रखने हेतु निर्देशित किया गया। महिला संबंधी अपराधों में त्वरित कार्यवाही कर उनका विधिक निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु संबंधित को निर्देशित किया गया तथा जनसुनवाई से सम्बन्धित शिकायती प्रार्थना पत्र के निस्तारण की समीक्षा की गई। लंबित विवेचनओं का गुण दोष के आधार पर समयबद्ध विधिक निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु निर्देश दिए गए। इसी के साथ महिला हेल्प डेस्क की समीक्षा करते हुए महिला पुलिस कर्मियों को फरियादियों से अच्छे व्यवहार करने व उनकी समस्याओं को सुनकर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही किसी भी प्रकार की सूचना प्राप्त होने पर तत्काल मौके पर पहुंचकर अपेक्षित कार्यवाही अमल में लाने हेतु निर्देशित किया गया। इसके अतिरिक्त अपराध की रोकथाम व अपराधियों के विरुद्ध कार्यवाही के दृष्टिगत नियमित रूप से प्रभावी गश्त करने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान महोदय द्वारा आरक्षियों की बीट बुक को चैक कर सम्बन्धित पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गए।

एसपी द्वारा पुलिसकर्मियों को प्रभावी रात्रि गश्त करने के सम्बन्ध में निर्देशित करते हुए बताया गया कि ठंड व कोहरा बढ़ने के साथ ही घुमंतू गिरोह के अपराधियों के सक्रिय होने का खतरा भी बढ़ गया है, इसे लेकर प्रभारी निरीक्षक व पुलिसकर्मी को रात्रि गश्त को और प्रभावी बनाने के साथ ही संदिग्धों पर नजर रखे। एसपी द्वारा बताया गया कि घुमक्कड़ अपराधियों पर अंकुश लगाने के लिए प्रमुख शहर-बाजार तथा सुनसान वाले स्थानों पर नियमित गश्त सुनिश्चित की जाए। सर्किल अधिकारी गश्त की चेकिंग कर कार्रवाई की संस्तुति करें। शहरों के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी पूरी सक्रियता बरती जाए। इस दौरान क्षेत्राधिकारी सदर अभिषेक प्रताप अजेय, प्रभारी निरीक्षक को0 पडरौना, पी0आर0ओ एवं अन्य अधि0/कर्मचारीगण मौजूद रहें।

धूमनगंज और एसओजी नगर पुलिस ने तीन चोरों को किया गिरफ्तार, कब्जे से मोबाइल नगदी बाइक बरामद

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज । गुरुवार को धूमनगंज पुलिस व एसओजी नगर टीम अपराधियों की तलाश में आपस में धर पकड़ के लिए चर्चा कर रहे थे इसी बीच मुखबिर की सूचना पर तीन चोरों को गिरफ्तार कर नकदी मोबाइल बाइक बरामद करते हुए जेल भेज दिया।

धूमनगंज पुलिस, एस ओजी नगर व सर्विलांस सेल नगर की संयुक्त टीम द्वारा प्रकाश मे आये अभियुक्तों शुभम गौतम उर्फ चुर्री पुत्र स्व0 पप्पू गौतम निवासी मुडेरा गांव थाना धूमनगंज जनपद प्रयागराज . अभिषेक कुमार उर्फ भाया पुत्र शिवनारायण निवासी मुंडेरा गांव थाना धूमनगंज जनपद प्रयागराज व दीपक कुमार उर्फ बेटू पुत्र रामलाल निवासी अकबरपुर सल्लाहपुर थाना पूरामुफ्ती जनपद प्रयागराज को गुरुवार को मुखबिर की सूचना पर कृष्णबिहार कालोनी गेट के पास थाना क्षेत्र धूमनगंज से गिरफ्तार किया गया तथा उनके कब्जे से 07 मोबाइल फोन (विभिन्न कम्पनियों के), कुल 900/- रुपये नकद, घटना में प्रयुक्त 01 स्पलेण्डर मोटरसाइकिल व अन्य सामग्री बरामद किया गया।

गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम

प्रभारी निरीक्षक धूमनगंज अमरनाथ राय,उ0नि0 सुमित कुमार वर्मा, उ0नि0आशीष चौबे एसओजी प्रभारी नगर, उ0नि0मनोज सिंह. उ0नि0 शान्तनु सिंह प्रभारी सर्विलांस नगर कमिश्नरेट प्रयागराज।

दुष्कर्म व पॉक्सो एक्ट के आरोपी को पुलिस ने भेजा जेल

सबसे तेज प्रयागराज

होलागढ़/प्रयागराज। जनपद प्रयागराज गंगानगर के होलागढ़ थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली नाबालिक बेटी के साथ उसके फूफा द्वारा दुष्कर्म किया गया था। वह दुष्कर्म के बाद नाबालिक बालिका गर्भवती हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार 9 दिसंबर 2024 को गर्भवती बालिका ने एक बेटी को जन्म दिया जिसको सुनकर क्षेत्र के लोगों में खलबली मच गई। पीड़िता की मां के द्वारा होलागढ़ पुलिस को लिखित तहरीर देते हुए बताया कि हमारी पुत्री के साथ अद्यया प्रसाद उर्फ मुन्ना तिवारी पुत्र स्व0 हरिशंकर तिवारी उम्र 51 वर्ष निवासी रोरे बारौ थाना बाघराय जनपद प्रतापगढ़ ने दुष्कर्म किया व रेप कर दिया, जिससे मेरी नाबालिक बेटी गर्भवती हो गई। होलागढ़ थाना प्रभारी (एसीपी) कुंजलता सिंह ने प्राप्त तहरीर के मुताबिक आरोपी के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया। होलागढ़ पुलिस टीम द्वारा दुष्कर्म के आरोपी को थाना होलागढ़ क्षेत्र अंतर्गत टोड़ी का पूरा पश्चिमनारा के पास से गिरफ्तार कर विधिक कार्रवाई करते हुए भेजा जेल।

नोडल अधिकारी प्रयागराज ने कान्हा गौशाला का किया निरीक्षण

गौवंशो के गोबर से बनी ईंटों को देखकर अधिशासी अधिकारी अझुवा रश्मि सिंह के प्रयास की सराहना की

निरीक्षण के दौरान मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी कौशांबी डॉक्टर ए. के. सागर, उपमुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी सिराथू डॉक्टर बालकृष्ण राजपूत, चिकित्सा अधिकारी अझुवा विवेक सिंह, पशुधन प्रसार अधिकारी संजय कुमार, नगर पंचायत अझुवा के राजाराम एवं समस्त गोपालक उपस्थित रहे

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। शासन द्वारा नामित नोडल अधिकारी डॉ राजीव वशिष्ठ अपर निदेशक प्रयागराज ने स्थाई कान्हा गौशाला अझुवा का निरीक्षण किया । उन्होंने गोवंश के रखरखाव की व्यवस्था का जायजा लिया गौशाला की क्षमता भूसे का स्टॉक,पेयजल की व्यवस्था ,हरा चारा की उपलब्धता ,गोबर से खाद बनने सहित अन्य चीजों के बारे में बारीकी के साथ जानकारियां हासिल की उन्होंने मौजूद जिम्मेदारों को हिदायत दी कि गौशाला में किसी भी तरह की अनियमितता नहीं होनी चाहिए। कान्हा गौशाला में निरीक्षण के दौरान गौवंशो के गोबर से बनी ईंटों को देखकर अधिशासी अधिकारी अझुवा रश्मि सिंह के प्रयास की सराहना की है। नोडल अधिकारी ने गौवंशो को ठंड से बचाव हेतु तिरपाल एवं अलाव की ब्यवस्था कराए जाने का निर्देश दिया निरीक्षण के दौरान मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी कौशांबी डॉक्टर ए. के. सागर, उपमुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी सिराथू डॉक्टर बालकृष्ण राजपूत, चिकित्सा अधिकारी अझुवा विवेक सिंह, पशुधन प्रसार अधिकारी संजय कुमार, नगर पंचायत अझुवा के राजाराम एवं समस्त गोपालक उपस्थित रहे।

आमजन में सुरक्षा का भाव जागृत करने के उद्देश्य से एएसपी ने किया पैदल गस्त

ब्यूरो चीफ
सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। गुरुवार को अपर पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी राजेश कुमार सिंह द्वारा जनपद में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा आमजन में सुरक्षा का भाव जागृत करने के उद्देश्य से थाना मंझनपुर पुलिस बल के साथ कस्बा मंझनपुर अन्तर्गत भीड़ भाड़ वाले क्षेत्रों व मुख्य मार्गों/चौराहों में पैदल गस्त की गयी एवं संदिग्ध व्यक्तियों/वाहनों को चेक किया गया तथा दुकानदारों से वार्ता कर अतिक्रमण न करने की अपील की

यातायात पुलिस ने पहले किया, जागरूक फिर काटा चालान

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। गुरुवार को पुलिस अधीक्षक फतेहपुर धवल जायसवाल के निर्देशन व क्षेत्राधिकारी यातायात के कुशल पर्यवेक्षण में सड़क दुर्घटना को कम किए जाने के लिए दिनांक 01.12.2024 से 15.12.2024 तक तीव्र गति से चलने वाले तथा उल्टा दिशा में चलने वाले वाहनों पर कार्रवाई हेतु चलाए जा रहे अभियान में यातायात प्रभारी लाल जी सविता एवं यातायात पुलिस द्वारा हाईवे पर विभिन्न स्थानों पर स्पीड रडार गन मशीन से सघनता से चेकिंग कर कार्रवाई की गई तथा ट्रैक्टर ट्राली आदि माल वाहक वाहनों पर रिफ्लेक्टर टेप लगाया गया इसके साथ-साथ दो पहिया वाहन पर बिना हेलमेट, सवारी ई रिक्शा पर माल को ढोने वाले ई-रिक्शा पर कार्रवाई की गई तथा बिना नम्बर प्लेट लगे वाहन, दो पहिया वाहन में तीन सवारी, चार पहिया वाहन पर बिना सीट बेल्ट का प्रयोग न कर वाहन चलाने वाले वाहनों की चेकिंग की गई और नाबालिक द्वारा वाहन चलाने, टैंपो टैक्सी के द्वारा स्कूली छात्र छात्रों का परिवहन करने वाले अवैध वाहनों की सघनता से चेकिंग कर कार्रवाई की गई तथा आम जनमानस को यातायात नियमों के प्रति जागरूक कर प्रचार प्रसार सामग्री वितरित की गई ।

हण्डिया पुलिस द्वारा शान्ति भंग करने के दृष्टिगत 02 व्यक्ति का किया गया चालान

राम सिंह यादव
सबसे तेज प्रयागराज

हंडिया। पुलिस आयुक्त प्रयागराज व अतिरिक्त पुलिस आयुक्त प्रयागराज के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में पुलिस उपायुक्त गंगानगर, अपर पुलिस उपायुक्त अपराध व सहायक पुलिस आयुक्त हण्डिया प्रयागराज के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक हण्डिया बृजकिशोर गौतम के निर्देशन मे थाना हण्डिया पुलिस टीम द्वारा गुरुवार को शान्ति/कानून व्यवस्था भंग करने के दृष्टिगत 02 व्यक्ति का अन्तर्गत धारा 170/126/135 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 में चालान कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की गयी।

गिरफ्तार व्यक्तियो का विवरण -

मो0 हाकिम पुत्र स्व० मो० मुस्तकीम निवासी ग्राम बरौत थाना हंडिया, विनोद कुमार केसरवानी पुत्र स्व० हरिश्चन्द्र निवासी वार्ड न0 09 सब्जी मण्डी कस्बा हंडिया थाना हंडिया जनपद प्रयागराज ।

गिरफ्तार करने वाले पुलिस टीमः

प्रभारी निरीक्षक बृजकिशोर गौतम थाना हण्डिया, सौरभ पाण्डेय चौकी प्रभारी बरौत, उ0नि0 अवधनारायण यादव थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज ।

पुरानी पेंशन का आदेश जारी करने में हो रहा भ्रष्टाचार बंद हो

एकजुट के प्रदेश संरक्षक डॉ हरि प्रकाश यादव के नेतृत्व में एडी माध्यमिक को सौंपा ज्ञापन

कहा कि डीआईओएस कार्यालय से शिक्षा निदेशालय तक भ्रष्टाचार बढ़ा

डीआईओएस पत्रावली परीक्षण के बाद निदेशालय भेजे : एडी माध्यमिक

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ (एकजुट) का प्रतिनिधि मंडल प्रदेश संरक्षक डॉ हरि प्रकाश यादव के नेतृत्व में अपर शिक्षा निदेशक माध्यमिक सुरेंद्र तिवारी से आज शिक्षा निदेशालय प्रयागराज में मिला और विज्ञापन के आधार पर पुरानी पेंशन से आच्छादित शिक्षको /कर्मचारियों का एक , एक जनपद का एक साथ पेंशन से आच्छादित होने का आदेश न निकाल कर दो - दो ,चार - चार शिक्षकों, कर्मचारियों का आदेश निकलने का विरोध दर्ज कराया । इस पर एडी माध्यमिक ने कहा कि समस्या का शीघ्र निराकरण होगा। एकजुट के प्रदेश संरक्षक डा हरिप्रकाश यादव ने बताया कि

1 अप्रैल 2005 से पूर्व नियुक्त ऐसे शिक्षकों और कर्मचारियों जिनका विज्ञापन इस तिथि के पूर्व में हो चुका था, उनको पुरानी पेंशन से आच्छादित करने का आदेश सरकार के द्वारा दिया जा चुका है । डीआईओएस के माध्यम से संबंधित पत्रावलियो को शिक्षा निदेशालय भेजने की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर 2024 तक निर्धारित थी परंतु दुर्भाग्य है कि मऊ सहित कई जनपदों के जिला विद्यालय निरीक्षकों ने आज तक संबंधित शिक्षकों की पेंशन पत्रावलिया अपर शिक्षा निदेशक के कार्यालय में नहीं भेजी हैं । उन्होंने कहा कि जिन जिला विद्यालय निरीक्षकों ने पत्रावली प्रेषित भी की है वह पत्रावली विना जांच-पड़ताल किए व विना पैनल लगाए आधी अधूरी है ।अपर शिक्षा निदेशक सुरेन्द्र तिवारी ने आदेश दिया था कि मूल पैनल जिला विद्यालय निरीक्षक के कार्यालय में रहता है इसलिए संबंधित शिक्षक, कर्मचारी मूल पैनल जिला विद्यालय निरीक्षक अपने कार्यालय से लेकर अपर शिक्षा निदेशक के कार्यालय को भेजेंगे परंतु अधिकांश जिला विद्यालय निरीक्षकों इस आदेश का पालन नहीं किया, जिसके कारण अपर शिक्षा निदेशक के कार्यालय से पत्रावलियां पुनः जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय को वापस की जा रही है। एकजुट के प्रदेश संरक्षक डॉ हरि प्रकाश यादव ने इसके लिए अपर शिक्षा निदेशक से मिलकर विरोध दर्ज कराया कि आपका बार-बार आदेश दिए जाने के बावजूद कोई भी डीआईओएस इस आदेश का पालन नहीं कर रहे हैं, साथ ही अपर शिक्षा निदेशक से मिलकर इस बात का भी विरोध दर्ज कराया गया कि अपर शिक्षा निदेशक महोदय के कार्यालय से जो दो - दो, चार - चार शिक्षक का पेंशन से आच्छादित होने का आदेश निकाला जा रहा है, वह गलत है। इससे डीआईओएस कार्यालय से लेकर अपर शिक्षा निदेशक कार्यालय तक भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिल रहा है। एकजुट के प्रदेश संरक्षक डॉ हरि प्रकाश यादव ने एडी माध्यमिक से यह भी निवेदन किया कि आगे से जो भी पेंशन से आच्छादित होने का आदेश निर्गत हो वह आपत्ति निराकरण के पश्चात एक साथ हो। इस अवसर पर एकजुट के प्रदेश उपाध्यक्ष उपेंद्र वर्मा ,प्रदेश आय व्यय निरीक्षक सुरेंद्र प्रताप सिंह, प्रदेश मंत्री तीर्थराज पटेल ,प्रदेश संगठन मंत्री प्रदेश मंत्री संदीप कुमार शुक्ला, प्रदेश संगठन मंत्री सुरेश पासी, प्रदेश कार्यकारणी सदस्य मोहम्मद जावेद, मंडल अध्यक्ष मिथिलेश मौर्य , मंडल मंत्री लक्ष्मी नारायण सिंह ,लालमणि यादव,रवींद्र कुमार यादव, जिला अध्यक्ष देव राज सिंह, जिला मंत्री डीपी यादव अनिल भारती,अरुण कुमार ,डॉ गार्गी श्रीवास्तव डॉ राजेश सिन्हा, राकेश यादव, अशोक सिंह ,विजय यादव,विजय सिंह, शांति प्रसाद विश्वकर्मा,देवेंद्र प्रताप सिंह ,अजय विश्वकर्मा ,अनुभान सिंह ,विजय प्रकाश विद्रोही ,राधेश विकास, आशीष गुप्ता ,आकांशा कुशवाहा, शैलेंद्र सरोज ,दिनेश यादव ,राम मनोहर ,नरेंद्र प्रताप ,ओमप्रकाश, महेंद्र मौर्य ,प्रदीप कुमार ,राजेश कुशवाहा ,वीरेंद्र कुमार कुशवाहा प्रताप बहादुर सिंह, सुरेंद्र सिंह, प्रकाश जायसवाल ,राज बहादुर, विमल उत्तम ,हरिश्चंद्र ,तेज बहादुर,देवेंद्र सिंह इत्यादि साइकिल शिक्षक साथी उपस्थित रहे।

संपादक की कलम से

भारत और पूंजीवाद

क्या क्रोनी कैपीटलिज्म यानी बगलबच्चा पूंजीवाद की संज्ञा पुरानी नहीं पड़ गयी है? क्या विशेष रूप से भारत में हालात अब बगलबच्चा पूंजीवाद से आगे नहीं निकल गए हैं। आम तौर पर देश के राजनीतिक मंच पर और खासतौर पर संसद में पिछले कुछ समय से जो कुछ हो रहा है, उससे तो ऐसा ही लगता है। जहां तक संसद का सवाल है, अब यह करीब-करीब साफ ही हो गया है कि पूरा का पूरा शीतकालीन सत्र मोदी सरकार द्वारा अडानी के बचाव की भेंट चढ़ने जा रहा है।

अमेरिका में अडानी की कंपनियों के खिलाफ प्रतिभूति बाजार नियामक तथा एफबीआई की जांच के बाद, भारत में अडानी ग्रुप की सौर बिजली की खरीद का रास्ता साफ करने के लिए, आंध्र प्रदेश समेत कई राज्यों के अधिकारियों को 2 हजार करोड़ रुपए से अधिक की रिश्वत दिए जाने के प्रकरण के अमेरिका से संबंधित मामले में आरोप तय कर मुकद्दमे की कार्रवाई शुरू किए जाने की खबर आने के बाद, संसद में विपक्ष द्वारा जोरदार तरीके से इस मुद्दे का उठाया जाना स्वाभाविक था। लेकिन, जब सरकार के और उसके आधीन नियामक एजेंसियों तथा विभिन्न जांच एजेंसियों के 'अडानी जांच से परे है' की मुद्रा अपनाने से आगे बढ़कर, मोदी राज ने सदनाध्यक्षों के जरिए यह सुनिश्चित किया कि अडानी का नाम संसद में 'उल्लेख से भी परे' रहना चाहिए, तभी यह तय हो गया था कि संसद के शीतकालीन सत्र में कम से कम सामान्य तरीके से काम-काज नहीं होने जा रहा है। और वही हुआ भी। शीतकालीन सत्र का आधे से ज्यादा हिस्सा, अडानी के मुद्दे पर बहस की विपक्ष की मांग और सत्तापक्ष की किसी भी कीमत पर ऐसी कोई चर्चा नहीं होने देने की जिद के बीच रस्साकशी में ही निकल गया।

बहरहाल, इसी दौरान अपने बगलबच्चा पूंजीपति के बचाव के लिए, मोदी राज के अड़े रहने के सिवा और भी काफी कुछ हो रहा था, जो कम दिलचस्प नहीं था। बगलबच्चे की तरह, सत्ता का संरक्षण पा-पाकर ताकतवर हुए इजारेदार पूंजीपति के हिमायतियों का दायरा सिर्फ सत्ता में बैठी ताकतों तक ही सीमित नहीं होता है। उसकी थैलियों के मुंह सत्तापक्ष से बाहर भी संरक्षण हासिल कर लेते हैं या लिए रहते हैं। इसलिए, संसद में जब सत्तापक्ष पर अडानी प्रकरण पर बहस कराने का दबाव एक हद से ज्यादा बढ़ा, विपक्ष की कतारों में इस बगलबच्चा पूंजीवाद के संरक्षत्व को सामने आने के लिए उत्प्रेरित करना शुरू कर दिया गया। विपक्ष की कतारों में इसकी आवाजें उठनी शुरू हो गयीं कि अडानी का मुद्दा कोई सबसे जरूरी मुद्दा नहीं है। पहले शरद पवार ने गौतम अडानी से अपनी दोस्ती की सार्वजनिक स्वीकारोक्ति के जरिए, उसके लिए समर्थन को सामान्य बनाने की कोशिश की। उसके बाद, ममता बैनर्जी की तृणमूल कांग्रेस ने बाकायदा इसका ऐलान कर दिया कि संसद में उसकी प्राथमिकताएं कांग्रेस से भिन्न हैं। अडानी प्रकरण उसकी प्राथमिकता पर नहीं है। अंततः समाजवादी पार्टी ने भी अपनी ही प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने का राग अलापना शुरू कर दिया। इस तरह, लोकसभा चुनावों के बाद से जो नहीं हुआ था, हो गया और अडानी के ही मुद्दे पर विपक्ष की कतारों में दरारें दिखाई देने लगीं।

लेकिन, अडानी के बचाव के लिए इतना भी काफी नहीं था। इसकी एक सीधी सी वजह यह थी कि राज्यों के लिए सौर ऊर्जा की आपूर्ति के सौदे में भ्रष्टद्दाचार का तत्व इस कदर आंखों में गड़ने वाला था कि विपक्ष की कतारों में क्रोनी पूंजीपति के सरपरस्तों की मौजूदगी के बावजूद और विपक्ष में इस मामले पर मतभेद उभर आने के बावजूद, इस मामले का दबना आसान नहीं था। इस पृष्ठद्दभूमि में सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी के अपनी बढ़ी हुई ताकत के साथ इस मुद्दे पर डटे रहने का नतीजा यह था कि विपक्ष में थोड़ी-बहुत किचकिच के बावजूद, आम तौर पर विपक्ष इस मुद्दे पर कमोबेश एकजुट ही नजर आता था और उसकी आवाज को अनसुना कर के संसद में तथा आम तौर पर राजनीतिक मंच पर सामान्य स्थिति बहाल नहीं की जा सकती थी।

अब क्रोनी पूंजीपति के बचाव की उसी दुहरी कार्यनीति का अगला और ज्यादा आक्रामक दांव शुरू किया गया। विपक्ष के स्तर पर, खासतौर पर हरियाणा और अब महाराष्ट्द्र की विपक्ष की चुनावी हार के बहाने से, कांग्रेस पर सीधे हमला बोल दिया गया कि वह विपक्ष का सफलतापूर्वक नेतृत्व करने में असमर्थ साबित हो रही है। अब ममता बैनर्जी ने सीधे-सीधे विपक्षी कतारबंदी का नेतृत्व संभालने के लिए अपने तैयार होने का ऐलान कर दिया। चुनाव के धक्के से और अन्यान्य कारणों से भी, जिनमें बड़े धनपतियों से चुनावी चंदे हासिल करने में अपनी हिस्सेदारी भी शामिल है, कुछ अन्य विपक्षी पार्टियों ने भी ममता बैनर्जी की दावेदारी को उचित मानने की बातें करनी शुरू कर दीं। असली मकसद यही था कि लड़ाई के बीच में, इस लड़ाई में आगे-आगे चल रही कांग्रेस के, प्रायः समूचे विपक्ष की ओर से बोलने के दावे को कमजोर किया जाए। दूसरी ओर, सत्ताधारी भाजपा ने खुद सीधे कांग्रेस पर यह कहते हुए, सारे विधि-निषेधों को ताक पर रखते अंधाधुंध हमला छेड़ दिया कि अडानी पर हमला, अडानी पर हमला नहीं है, वास्तव में नरेंद्र मोदी के राज पर हमला है, भारत के विकास पर हमला है, आदि। फ्रांसीसी समाचार पोर्टल, मीडियाअपार्ट की एक कथित रूप से खोजी रिपोर्ट के बहाने से और उसके निष्कर्षों पर, अपने ही दावे थोपते हुए, स्वतंत्र मीडिया संस्थान आर्गनाइज्ड क्राइम एंड करप्शन रिपोर्टिंग प्रोजेक्ट (ओसीसीआरपी) की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े करने से आगे बढ़कर, उसकी फंडिंग के बहाने उसे जॉर्ज सोरोस से लेकर, अमरीकी विदेश विभाग तक, 'भारत विरोधियों का हथियार' तो करार दिया ही गया।

ज्यादा पानी पीने के भी नुकसान, शरीर कहता है संभल जाएं जरा

नई दिल्ली। जल ही जीवन है और किसी भी एनर्जी ड्रिंक से सबसे ज्यादा लाभप्रद भी। ज्ञानी ध्यानी और बड़े बुजुर्ग अक्सर ये कहते आए हैं। लेकिन ये भी सच है कि हर चीज की अति खराब होती है। इसी तरह खुद को ज्यादा हाइड्रेट करना भी मुश्किल का सबब बन सकता है। कुछ वार्निंग साइन होते हैं अगर इन पर नजर बनाए रखी तो ओवरडोज (पानी का ही सही) से बच सकते हैं। हमें लगातार हाइड्रेटेड रहने के लाभों के बारे में याद दिलाया जाता है, लेकिन पर्याप्त पानी पीना मुश्किल हो सकता है। लेकिन फिर पता कैसे चले कि आप जरूरत से ज्यादा पानी पीकर आफत को दावत दे रहे हैं? जरूरत से ज्यादा पानी पीने से हल्के और थोड़े परेशान करने वाले जानलेवा लक्षण पैदा होते हैं।ज्यादा पानी पीने से जीवन को खतरा होता है, खासकर जब प्रमुख इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी हो जाती है। न्यूट्रिशनिस्ट रिद्धि खन्ना कहती हैं, ह्लज्यादा पानी पीने से हाइपोनेट्रेमिया की स्थिति में हम पहुंच सकते हैं, जो रक्त में सोडियम के स्तर में खतरनाक गिरावट लाता है।ह्व सोडियम एक महत्वपूर्ण इलेक्ट्रोलाइट है जो शरीर के ट्रैफिक गार्ड की भूमिका निभाता है। यह नियंत्रित करता है कि पूरे शरीर में पानी कहां वितरित किया जाता है और ब्लैडर में कितना भेजा जाता है। पानी का नशा होना अपेक्षाकृत असामान्य है, लेकिन ऐसा तब हो सकता है जब आप अपने शरीर द्वारा उत्सर्जित की जाने वाली मात्रा से ज्यादा पीते हैं। ज्यादा पानी पीने का पता बहुत आसान तरीके से लग सकता है। मुख्य चार तरीके हैं। इसमें पेशाब का रंग बहुत साफ दिखने लगता है। दरअसल, पेशाब का रंग यूरोक्रोम की वजह से हल्का पीला होता है और अगर ऐसा नहीं होता तो ये वॉर्निंग साइन है। इसके अलावा दिन में 6 से 8 बार से ज्यादा वॉशरूम जाना भी आपको सतर्क करता है। अगर पानी ज्यादा पीते हैं तो पेट फूला रहता है और मतली आती है। इससे आगे बढ़ें तो सिरदर्द होता है और ब्रेन फॉग की स्थिति से गुजरना पड़ सकता है। वो इसलिए क्योंकि सोडियम का स्तर थोड़ा कम हो जाता है, जिससे कोशिकाएं फूल जाती हैं। कोशिकाओं के फैलने के लिए लगभग कोई जगह नहीं होती।

पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों में बीमारियों का कारगर उपचार ढूंढा जाये शोधों को बढ़ाकर

डॉ. आर.के. सिन्हा

सुप्रीम कोर्ट में पिछले दिनों एक याचिका दाखिल कर प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को शामिल करने की मांग की गई है । यह बिल्कुल ठीक ही है कि ऐसा करने से देश की एक बड़ी आबादी को सस्ती और असरदार स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ आसानी से मिल सकेगा। साथ ही, पारंपरिक चिकित्सा को भी पर्याप्त बढ़ावा मिलेगा और वे पहले की भाँति फिर से लोकप्रिय हो सकेंगी।

सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका पर केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। हालांकि यह मामला ऐसा नहीं है, जिस पर सरकार को फैसला लेने में बहुत दिक्कत हो। पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियाँ, जैसे आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथी इत्यादि, गरीब जनता के लिए कई मायनों में वरदान रही हैं और सरकारी संरक्षण प्राप्त होने पर और भी लोकप्रिय साबित हो सकती हैं। पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों में आमतौर पर आधुनिक चिकित्सा की तुलना में उपचार की लागत काफी ज्यादा कम होती है। यह गरीब लोगों के लिए, जो महंगे अस्पताल और दवाओं का खर्च वहन नहीं कर सकते , उनके लिए बहुत लाभकारी होती हैं।

ब्रिटेन के किंग चार्ल्स पिछले दिनों एक निजी यात्रा पर भारत आए हुए थे। उनके साथ उनकी पत्नी क्वीन कैमिला भी थीं। वे बेंगलुरु के पास एक आधुनिक आरोग्यशाला ह्लहोलिस्टिक हेल्थ सेंटर' में ठहरे। तीन दिन की यात्रा के दौरान किंग चार्ल्स और क्वीन कैमिला ने योग, मेडिटेशन सेशन और योग थेरेपी का भरपूर आनंद उठाया। यानी सामान्य रोगियों से लेकर ब्रिटेन के किंग को भी अब समझ में आ गया है कि सेहतमंद रहने और स्मार्ट दिखने के लिए भारत के आधुनिक डॉक्टरों और परम्परागत चिकित्सा पद्धतियों से इलाज करवाना कहीं ज्यादा सही रहेगा।

पारंपरिक चिकित्सक अक्सर ग्रामीण और दूर-दराज के इलाकों में भी आसानी से उपलब्ध होते हैं, जहाँ आधुनिक चिकित्सा सुविधाएँ कुछ ही ह्लमल्टी स्पेशलिटी ह्लअस्पतालों तक ही सीमित होती हैं। अतः यह पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियां ग्रामीण गरीबों के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं और इनमें गरीब ग्रामीणों का अटूट विश्वास भी है। ज्यादातर पारंपरिक उपचार स्थानीय रूप से उपलब्ध जड़ी-बूटियों और अन्य प्राकृतिक संसाधनों पर ही आधारित होते हैं, जिसकी लागत कम होती है।

एक खास बात यह भी है कि ये पारंपरिक स्वास्थ्य पद्धतियाँ अक्सर शरीर और मन दोनों को एक साथ स्वस्थ रखने पर ध्यान केंद्रित करती हैं, जो आधुनिक चिकित्सा की तुलना में अधिक समग्र दृष्टिकोण है। यह जीवनशैली संबंधी बीमारियों की रोकथाम में अत्यंत कारगर मदद कर सकती हैं।

हालांकि कुछ पारंपरिक उपचारों की प्रभावशीलता के लिए पर्याप्त वैज्ञानिक प्रमाणों का अभाव गिना दिया जाता है क्योंकि आधुनिक वैज्ञानिक रूप से स्वीकार्य प्रयोगों पर आधारित साक्ष्य उपलब्ध नहीं हैं। सरकार को चाहिये कि आधुनिक प्रयोगशालाओं में वैज्ञानिक शोध के आधार पर इनके कारगर परिणाम के साक्ष्य उपलब्ध करवाए। इससे रोगियों की सुरक्षा और उपचार की गुणवत्ता वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी सिद्ध और स्थापित हो सकेगी, नहीं तो पारम्परिक सिद्ध चिकित्सा पद्धतियों पर सवाल उठते ही रहेंगे। पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों से जुड़े लोगों को और भारत सरकार के आयुष मंत्रालय को इस तरफ ध्यान देने की जरूरत तो है। इनमें गहन शोध तो होना ही चाहिए।

यह भी मानना होगा कि पारंपरिक चिकित्सा व्यवसाय का नियमन और गुणवत्ता नियंत्रण अक्सर अपर्याप्त होता है। सरकार को इस तरफ भी देखना होगा।

इनके कुछ चिकित्सक ऐसे दावे करते हैं जिनका कोई वैज्ञानिक आधार नहीं होता है, जिससे रोगियों को भ्रमित किया जा सकता है और उनका स्वास्थ्य जोखिम में पड़ सकता है। अतः आयुष मंत्रालय को वैज्ञानिक अनुसंधान के आधार पर इन दावों की प्रमाणिकता या तो सिद्ध करनी होगी या फिर खारिज करना होगा। खैर, ये पद्धतियाँ जनता के लिए वरदान तो हो ही सकती हैं, खासकर जब वे आधुनिक चिकित्सा के साथ एकीकृत हों और उचित नियमन और गुणवत्ता नियंत्रण के साथ संचालित हों। हालांकि, इन पद्धतियों की सीमाओं और चुनौतियों को भी स्वीकार करना और उनका समाधान करना महत्वपूर्ण है , ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि यह उपचार पद्धति भी वैज्ञानिक रूप से प्रमाणिक है ।

भारत अपनी विविधता और समृद्ध इतिहास के लिए जाना जाता है, जिसमें अनेकों पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियाँ हजारों वर्षों से चली आ रही हैं। आयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्धा, होमियोपैथी और अनेक अन्य प्रणालियाँ सदियों से भारतीय समाज के स्वास्थ्य और कल्याण का एक अभिन्न अंग रही हैं। आज, जब आधुनिक चिकित्सा पद्धति तेजी से आगे बढ़ रही है, तब भी पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों का महत्व कम नहीं हुआ है, बल्कि यह और भी अधिक प्रासंगिक हो गया है। विश्व भर से प्रतिवर्ष हजारों अत्यंत पढ़े- लिखे और समृद्ध लोग आखिर भारत आकर इन चिकित्सा पद्धतियों पर लाखों खर्च क्यों करते हैं। वे सभी पागल तो हैं नहीं। उन्हें निश्चित रूप से लाभ मिल रहा है तभी तो वे यहाँ आकर महीनों रहकर , लाखों खर्चकर स्वस्थ होकर वापस जा रहे हैं।

भारत में स्वास्थ्य सेवा का वितरण असमान है, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में। आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं तक पहुँच सीमित होने के कारण, पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियाँ स्वास्थ्य सेवा की पहुँच को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। ये पद्धतियाँ स्थानीय रूप से उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करती हैं और अक्सर कम खचीर्ली होती हैं, जिससे वे आम लोगों के लिए अधिक सुलभ होती हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोग अक्सर इन पद्धतियों पर ही निर्भर रहते हैं, क्योंकि ये उनके सांस्कृतिक परिवेश और आर्थिक स्थिति के अनुकूल हैं।

पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियाँ केवल बीमारियों के इलाज पर ही केंद्रित नहीं हैं, बल्कि रोगों की रोकथाम पर भी जोर देती हैं। आयुर्वेद और योग जैसे पद्धतियाँ जीवनशैली में बदलाव, आहार और व्यायाम के माध्यम से स्वस्थ जीवन को बढ़ावा देने पर केंद्रित हैं, जिससे कई गंभीर बीमारियों से बचा जा सकता है। ये पद्धतियाँ शरीर और मन के बीच संबंध को समझती हैं और समग्र स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करती हैं।

पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियाँ प्रकृति से प्राप्त जड़ी-बूटियों और अन्य प्राकृतिक उपचारों का व्यापक उपयोग करती हैं। ये उपचार अक्सर कम साइड इफेक्ट वाले होते हैं और आधुनिक दवाओं की तुलना में शरीर पर कम हानिकारक प्रभाव डालते हैं। भारत की जैव विविधता ने सदियों से पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों को पोषित किया है और इन पद्धतियों को अद्वितीय उपचार विकसित करने का अवसर प्रदान किया है।

इन चिकित्सा पद्धतियाँ भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। ये पद्धतियाँ सदियों से भारतीय समाज के जीवन में अंतर्निहित हैं और लोगों के स्वास्थ्य के प्रति दृष्टिकोण को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इन पद्धतियों को अपनाने से न केवल शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार होता है, बल्कि मानसिक और आध्यात्मिक कल्याण में भी वृद्धि होती है।

आयुर्वेद और योग जैसे पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों ने विश्व स्तर पर लोकप्रियता हासिल की है। इनकी मांग बढ़ने से भारत के लिए आर्थिक अवसर भी पैदा हुए हैं। पारंपरिक चिकित्सा से संबंधित उद्योगों का विकास भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और रोजगार के अवसर पैदा करने में योगदान दे सकता है।

हालांकि, इन पद्धतियों को आधुनिक चिकित्सा के साथ एकीकृत करने की आवश्यकता है। यह महत्वपूर्ण है कि इन पद्धतियों का वैज्ञानिक सत्यापन किया जाए और उनकी प्रभावशीलता को सुनिश्चित किया जाए।

बाबरी मस्जिद विध्वंस के 32 साल बाद निशाने पर

- डॉ. ज्ञान पाठक

अयोध्या मामले में फैसले में कहा गया था, 'कानून हमारे इतिहास और देश के भविष्य के बारे में बताता है। हम अपने इतिहास और देश के सामने आने वाली चुनौतियों से वाकिफ हैं, इसलिए आजादी अतीत के घावों को भरने का एक महत्वपूर्ण क्षण था। ऐतिहासिक गलतियों को लोगों द्वारा कानून को अपने हाथ में लेने से ठीक नहीं किया जा सकता।

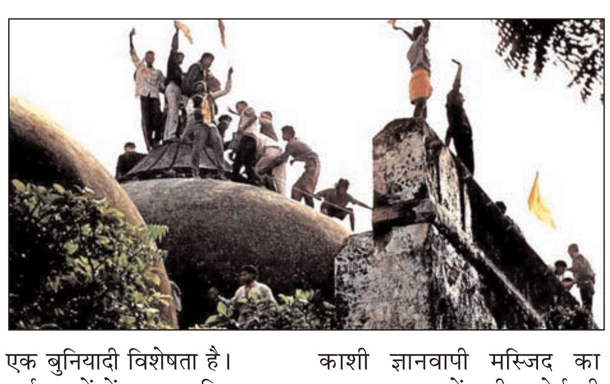

अयोध्या में बाबरी मस्जिद को ध्वस्त किये जाने के 32 साल, तथा 9 नवंबर, 2019 को, भारत के सर्वोच्च न्यायालय की पांच-न्यायाधीशों की पीठ द्वारा दिये गये अयोध्या फैसले के लगभग पांच साल बाद जिसमें राम मंदिर बनाने का फैसला सुनाया गया,अनेक अन्य स्थलों को निशाना बनाया गया है। अयोध्या फैसले के तहत राम मंदिर बना और उसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 22 जनवरी, 2024 को कर भी दिया, परन्तु फैसले को आधे-अधूरे ढंग से लागू किया गया, जिसके कारण कई अन्य मस्जिदें और दरगाह नये लक्ष्य बन गये, जिससे देश भर में हिंदुओं और मुसलमानों के बीच सांप्रदायिक तनाव और वैमनस्य पैदा हो रहा है, जो अयोध्या के फैसले से बढ़ी उम्मीदों के विपरीत है।

2024 के भाजपा के घोषणापत्र में मंदिर के निर्माण को 'लोगों का पांच-सदियों पुराना सपना' बताया गया था, जो अब सच हो गया है। इसके बाद तो सांप्रदायिक तनाव पैदा होना और भड़कना बंद हो जाना चाहिए था, लेकिन भाजपा के वैचारिक मूल स्रोत आरएसएस और हजारों सिर वाले सांप्रदायिकतावादी अनियंत्रित हो गये, और काशी और मथुरा में मस्जिद और दरगाह को निशाना बनाया, जो उनकी पुरानी मांग थी। सोमनाथ मंदिर के निर्माण के समय अन्य मस्जिदों और दरगाहों को निशाना नहीं बनाने के लिए हिंदू और मुस्लिम समुदायों के बीच समझौता हुआ था। अयोध्या फैसले ने भी पूजा स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम 1991 को बरकरार रखा जिसमें किसी और पूजा स्थल के चरित्र को नहीं बदलने का प्रावधान है,और जिसे धर्मनिरपेक्षता की पूर्ति घोषित किया, जो भारत के संविधान की एक बुनियादी विशेषता है।

कई लक्ष्यों में, बहुप्रकाशित लक्ष्य हैं, टीले वाली मस्जिद, लखनऊ, उत्तर प्रदेश; कुव्वत-उल-इस्लाम मस्जिद, कुतुब मीनार, दिल्ली; ज्ञानवापी मस्जिद, वाराणसी, उत्तर प्रदेश; कमाल मौला मस्जिद, भोजशाला परिसर, मध्य प्रदेश; शम्सी शाही मस्जिद, बदायूं, उत्तर प्रदेश; अटाला मस्जिद, जौनपुर, उत्तर प्रदेश; शाही ईदगाह मस्जिद, मथुरा, उत्तर प्रदेश; जामा मस्जिद, संभल, उत्तर प्रदेश; फतेहपुर सीकरी, उत्तर प्रदेश में शेख सलीम चिश्ती की जामा मस्जिद और दरगाह; और अजमेर शरीफ दरगाह, राजस्थान। अन्य कम प्रकाशित लक्ष्य भी हैं।

अयोध्या फैसले के पांच न्यायाधीश थे - जस्टिस रंजन गोगोई, एसए बोबडे, डॉ डी वाई चंद्रचूड़, अशोक भूषण और एस अब्दुल नजीर। कई पूर्व न्यायाधीशों ने जहां पर मस्जिद को ध्वस्त किया गया उस जगह पर मंदिर के निर्माण की अनुमति देने वाले इस फैसले की आलोचना की है। सुप्रीम कोर्ट के एक पूर्व न्यायाधीश जस्टिस आरएफ नरीमन ने कहा कि इस मामले में -'न्याय का एक बड़ा उपहास' यह हुआ कि 'धर्मनिरपेक्षता को उसका हक नहीं दिया गया'।

फिर भी, अयोध्या फैसले में पूजा स्थल अधिनियम को बरकरार रखना फैसले के सबसे महत्वपूर्ण पहलुओं में से एक है, जहां तक सांप्रदायिक तनाव और वैमनस्य पर पूर्ण विराम लगाने का सवाल है।

हालांकि, पीठ के एक न्यायाधीश न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ ने 2022 के एस निर्णय में पूजा स्थल अधिनियम तथा भारत के संविधान के मूल उद्देश्य की अनदेखी करके एक गंभीर गलती की, जिनमें से किसी में भी सांप्रदायिक तनाव और वैमनस्य की परिकल्पना नहीं की गयी थी। काशी ज्ञानवापी मस्जिद का मामला 2022 में सुप्रीम कोर्ट की सीजेआई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली पीठ के समक्ष आया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि पूजा स्थल अधिनियम 1991 संरचना के धार्मिक चरित्र का पता लगाने पर रोक नहीं लगाता है, भले ही इसका उपयोग बदला न जा सके। इसने मस्जिदों और दरगाहों के खिलाफ मामलों की बाढ़ ला दी, जो अंततः सांप्रदायिक अशांति का कारण बन रहे हैं। अयोध्या फैसले में भारत की संसद के इरादों का भी उल्लेख किया गया है। इसमें केंद्रीय गृह मंत्री द्वारा लोकसभा में दिये गये स्पष्टीकरण को उद्धृत किया गया है: 'हम इस विधेयक को प्रेम, शांति और सद्भाव की हमारी गौरवशाली परंपराओं को प्रदान करने और विकसित करने के उपाय के रूप में देखते हैं। ये परंपराएं एक सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा हैं, जिस पर हर भारतीय को गर्व है। सभी धर्मों के प्रति सहिष्णुता अनादि काल से हमारी महान सभ्यता की विशेषता रही है।'

अयोध्या फैसले में पूजा स्थल अधिनियम का उद्देश्य 'नये विवाद पैदा नहीं करना और पुराने विवादों को नहीं उठाना है, जिन्हें लोग लंबे समय से भूल चुके हैं'। फैसले में कहा गया है कि '1991 में संसद द्वारा पारित पूजा स्थल अधिनियम संविधान के मौलिक मूल्यों की रक्षा करता है और उन्हें सुरक्षित रखता है। प्रस्तावना विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, आस्था और पूजा की स्वतंत्रता की रक्षा करने की आवश्यकता को रेखांकित करती है।

यह मानवीय गरिमा और बंधुत्व पर जोर देती है। सभी धार्मिक विश्वासों की समानता के लिए सहिष्णुता, सम्मान और स्वीकृति बंधुत्व का एक मौलिक सिद्धांत है।'

पूजा स्थल अधिनियम भारतीय संविधान के तहत धर्मनिरपेक्षता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को लागू करने के लिए एक अपरिवर्तनीय दायित्व लागू करता है। इसलिए यह कानून भारतीय राजनीति की धर्मनिरपेक्ष विशेषताओं की रक्षा के लिए बनाया गया एक विधायी साधन है, जो संविधान की मूल विशेषताओं में से एक है। गैर-प्रतिगमन मौलिक संवैधानिक सिद्धांतों की एक आधारभूत विशेषता है, जिसका एक मुख्य घटक धर्मनिरपेक्षता है। इस प्रकार पूजा स्थल अधिनियम एक विधायी हस्तक्षेप है जो गैर-प्रतिगमन को हमारे धर्मनिरपेक्ष मूल्यों की एक आवश्यक विशेषता के रूप में संरक्षित करता है।

अयोध्या फैसले ने 'धर्मनिरपेक्षता को एक संवैधानिक मूल्य के रूप में' बरकरार रखा, एसआर बोम्मई बनाम भारत संघ मामले में सुप्रीम कोर्ट के 9 जजों की बेंच के फैसले का हवाला देते हुए। इसमें कहा गया है कि 'पूजा स्थल अधिनियम आंतरिक रूप से एक धर्मनिरपेक्ष राज्य के दायित्वों से संबंधित है। यह सभी धर्मों की समानता के लिए भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। सबसे बढ़कर, पूजा स्थल अधिनियम एक गंभीर कर्तव्य की पुष्टि है जो राज्य पर सभी धर्मों की समानता को एक आवश्यक संवैधानिक मूल्य के रूप में संरक्षित और संरक्षित करने के लिए लगाया गया था, एक मानदंड जिसे संविधान की एक बुनियादी विशेषता होने का दर्जा प्राप्त है। पूजा स्थल अधिनियम के अधिनियमन के पीछे एक उद्देश्य निहित है।'

अयोध्या मामले में फैसले में कहा गया था, 'कानून हमारे इतिहास और देश के भविष्य के बारे में बताता है। हम अपने इतिहास और देश के सामने आने वाली चुनौतियों से वाकिफ हैं, इसलिए आजादी अतीत के घावों को भरने का एक महत्वपूर्ण क्षण था। ऐतिहासिक गलतियों को लोगों द्वारा कानून को अपने हाथ में लेने से ठीक नहीं किया जा सकता। सार्वजनिक पूजा स्थलों के चरित्र को संरक्षित करने में, संसद ने स्पष्ट शब्दों में आदेश दिया है कि इतिहास और उसकी गलतियों का इस्तेमाल लोगों के वर्तमान और भविष्य के दमन के लिए नहीं किया जायेगा।'

किसानों को सड़क पर लाती सरकार

कृषि उत्पादों पर स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों के अनुरूप सी-2 प्लस 50 प्रतिशत के फामूर्ले के अनुसार न्यूनतम समर्थन मूल्य देने की मांग को लेकर दिल्ली प्रवेश कर रहे किसानों को हरियाणा स्थित शंभू बॉर्डर पर रोकने में पुलिस को चाहे सफलता मिल गयी हो लेकिन किसान नेता अगले कदम पर विचार-विमर्श कर रहे हैं

जाति सरकार पूछेगी : अपमानित करने वाले तो सदियों से पूछ रहे हैं !क्या सरकारी कर्मचारियों को आरएसएस का सदस्य बनने की इजाजत मिलनी चाहिए?

कृषि उत्पादों पर स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों के अनुरूप सी-2 प्लस 50 प्रतिशत के फामूर्ले के अनुसार न्यूनतम समर्थन मूल्य देने की मांग को लेकर दिल्ली प्रवेश कर रहे किसानों को हरियाणा स्थित शंभू बॉर्डर पर रोकने में पुलिस को चाहे सफलता मिल गयी हो लेकिन किसान नेता अगले कदम पर विचार-विमर्श कर रहे हैं। उधर सड्डप्रीम कोर्ट ने शंभू बॉर्डर खाली कराये जाने की एक जनहित याचिका को यह कहकर खारिज कर दिया कि इसी आशय की एक अजी पहले से ही उसके समक्ष विचाराधीन है इसलिये नयी याचिका का औचित्य नहीं है। तत्काल सुनवाई की आवश्यकता से भी उसने इंकार कर दिया। इस सिलसिले में शीर्ष न्यायालय ने पहले ही शांतिपूर्ण प्रदर्शन को जनता का मौलिक अधिकार बतलाया था और प्रशासन को किसानों के साथ बातचीत कर समस्या का हल निकालने का सुझाव दिया था। बहरहाल, किसान नये सिरे से इस आंदोलन को आगे बढ़ायें। सरकार को चाहिये कि इस जायज मांग को तत्काल स्वीकार कर उन्हें संतुष्ट करे।

अपने ऐलान के मुताबिक रविवार को जब हजारों की संख्या में किसानों ने अपनी ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के साथ बॉर्डर पार करने की कोशिश की तो वहां मौजूद बड़ी संख्या में पुलिस ने उन्हें रोक लेने में कामयाबी पाई। उसके पहले आंसू गैस के गोले छोड़े जिससे करीब आधा दर्जन किसान घायल हो गये। एक की स्थिति बहुत गम्भीर बताई गई है जिसे चंडीगढ़ स्थित पीजीआई में भर्ती कराया गया है। खनौरी बॉर्डर पर किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल का अनशन सोमवार को 14वें दिन में प्रवेश कर गया। स्वास्थ्य परीक्षण करने वाले चिकित्सकों के अनुसार उनकी सेहत लगातार खराब हो रही है। आंदोलनकारी किसानों के प्रति पहले की सी बेरुखी अपनाते हुए केन्द्र सरकार उनके साथ चालबाजियां कर रही है। शुक्रवार को आंदोलन के नेताओं से कहा गया कि वे बिना ट्रैक्टर-ट्रॉली के सरकार से मिलने आ सकते हैं परन्तु शनिवार को जब उन्होंने जाने की कोशिश की तो उन्हें यह कहकर रोका गया कि केवल 10 लोगों को ही जाने की मंजूरी है। रविवार को पुलिस और प्रशासन ने यह आरोप लगाकर उन्हें रोक दिया कि मिलने हेतु जाने वाले किसान अपना परिचय नहीं दे रहे हैं। इसी के चलते शंभू बॉर्डर पर अप्रिय स्थिति बन गयी। हालांकि किसानों ने स्वयं ही अपने कदम वापस खींच लिये और स्वीकार किया कि पुलिस ने उन्हें जाने नहीं दिया है। वे आपस में विचार कर अगला कदम तय करेंगे।

केन्द्र सरकार के इस रवैये से साफ है कि वह पूर्ववत हठधर्मी बनी हुई है और वह किसानों के इस मुद्दे को लेकर कतई संजीदा नहीं है। उल्लेखनीय है कि 2020-21 में किसानों ने तीन कृषि कानूनों के खिलाफ एक साल 4 माह का आंदोलन किया था (9 अगस्त, 2020-11 दिसम्बर, 2021)। उस आंदोलन में 750 से ज्यादा किसान शहीद हुए थे। उस समय तो पुलिस ने उन्हें दिल्ली आने से रोकने के लिये बर्बरता की सारी हदें पार कर दी थीं। उत्तर भारत की कड़ाके की ठंड में उन पर पानी की बौछारें की गयीं, डंडे बरसाये गये, शरीर पर आंसू गैस के गोले फेंके गये, रबर बुलेट भी शरीर के ऊपरी हिस्सों में चलाई गयीं। इतना ही नहीं, सड़कों पर कीलें लगाई गयीं और पक्के किस्म के बैरिकेड तक लगा दिये गये थे। अभी इसी साल हुए लोकसभा चुनावों के पहले फरवरी में किसानों ने फिर से आंदोलन किया, तो सरकार व पुलिस ने अपनी जनविरोधी मानसिकता का एक और रूप दिखाते हुए हरियाणा व दिल्ली के बीच खाइयां तक खोद दी थीं। एक तरफ केन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार खुद को किसान हितैषी बतलाती है, तो दूसरी ओर वह किसानों की मांगों को पूरा करना तो दूर, उनसे बात करने के लिये तक तैयार नहीं है। किसानों द्वारा जिस प्रकार से कृषि कानूनों को वापस लेने के लिये मोदी को मजबूर किया गया।

सीएम ने जनप्रतिनिधियों से की प्रधानमंत्री की जनसभा में व्यवस्था बनाने में प्रशासन का सहयोग करने की अपील

प्रधानमंत्री के प्रयागराज दौरे से पहले मुख्यमंत्री ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ की बैठक, दिए आवश्यक सुझाव

सीएम ने कहा - पीएम की जनसभा में लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में निभाएं जिम्मेदारी

राम सिंह यादव
सबसे तेज प्रयागराज

महाकुम्भनगर। महाकुम्भ-2025 के लिए हजारों करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण करने प्रयागराज आ रहे प्रधानमंत्री मोदी के कार्यक्रम की तैयारियों का स्थलीय निरीक्षण करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनप्रतिनिधियों के साथ भी बैठक की और उन्हें आवश्यक सुझाव दिए। उन्होंने बैठक में स्थानीय जनप्रतिनिधियों से कहा कि पीएम मोदी की जनसभा में बड़ी संख्या में आमजन की भागीदारी होगी, ऐसे में सभी जनप्रतिनिधियों को व्यवस्था बनाने में सहयोग करना होगा। जो लोग पीएम की जनसभा में आएं, वह कार्यक्रम की समाप्ति के उपरांत सुरक्षित अपने गंतव्य तक पहुंच जाएं, इसमें सभी लोग स्थानीय प्रशासन का सहयोग करें।

स्थानीय जनप्रतिनिधियों से संवाद करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के प्रयागराज आगमन पर ऐतिहासिक अभिनंदन होगा। प्रधानमंत्री जी की लोकप्रियता और उनके ओजस्वी वचनों को सुनने के लिए बड़ी संख्या में लोग आएंगे। हर जनप्रतिनिधि की जिम्मेदारी है कि वह प्रत्येक कार्यकर्ता और क्षेत्र की जनता को सुरक्षित जनसभा स्थल तक आने में सहयोग करें और कार्यक्रम खत्म होने के बाद उन्हें सुरक्षित उनके घर तक पहुंचाने में अपनी भूमिका का निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि यह हम सभी के लिए महत्वपूर्ण अवसर है कि महाकुम्भ जैसे ऐतिहासिक आयोजन में हमें प्रधानमंत्री जी का आशीर्वाद मिलने जा रहा है। ऐसे में सभी जनप्रतिनिधियों का कर्तव्य है कि वो व्यवस्था बनाने में स्थानीय प्रशासन का सहयोग करें।

उन्होंने कहा कि कुम्भ 2019 ने पूरी दुनिया में प्रयागराज की अच्छी छवि बनाई है। अब एक बार फिर अवसर आया है। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में इस बार अभूतपूर्व 'दिव्य-भव्य-डिजिटल' महाकुम्भ का आयोजन होने जा रहा है। जनप्रतिनिधियों को चाहिए कि वह यहां आने वाले अधिकाधिक तीर्थयात्रियों/पर्यटकों से भेंट कर उन्हें प्रयागराज की पौराणिकता, ऐतिहासिकता और आधुनिक युग में प्रयाग की महत्ता से परिचित कराएं।

स्वाधीनता संग्राम में प्रयागराज की भूमिका के बारे में चर्चा करें। 2019 के कुम्भ और फिर इस बार के भव्य-दिव्य-डिजिटल महाकुम्भ की स्वच्छता, सुरक्षा और सुव्यवस्था से अवगत कराएं।

पीएम के कार्यक्रम को बनाएं यादगार ऐतिहासिक: सीएम योगी आदित्यनाथ

जनप्रतिनिधियों पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठक में बोले सीएम: महाकुंभ की चर्चा पूरे विश्व में

बैठक के दौरान डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य भी रहे मौजूद

कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह रख रहे पीएम मोदी के कार्यक्रम पर नजर

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम को लेकर गुरुवार को प्रयागराज पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मेला प्राधिकरण कार्यालय में जनप्रतिनिधियों व भाजपा संगठन पदाधिकारियों के साथ बैठक में कहा कि महाकुंभ की चर्चा पूरे विश्व में हैं। शुक्रवार 13 दिसंबर को होने वाले पीएम मोदी के कार्यक्रम को यादगार और ऐतिहासिक बनाने में कोई कोर कसर न छोड़ें। स्वच्छता अभियान के तहत उन्होंने संगठन के प्रयास को सराहा भी। सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री के जनसभा स्थल संगम नोज तक लोगों को ले जाने और वापस ले आने की व्यवस्था में संगठन के कार्यकताओं को मंडल से लेकर बूथ स्तर तक तैनात कर दिया जाए। भारी से भारी संख्या में लोग जनसभा स्थल पहुंचे। प्रयागराज महानगर, गंगापार एवं यमुना पार से आने वाले लोगों के लिए वाहन इत्यादि की व्यवस्था सुनिश्चित कर लें। इस दौरान विधायक दीपक पटेल, हर्षवर्धन बाजपेई, गुरु प्रसाद मौर्य, राजमणि कोल, महानगर अध्यक्ष राजेंद्र मिश्र, महापौर गणेश केसरवानी, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ बी के सिंह गंगापार अध्यक्ष कविता पटेल, यमुनापार अध्यक्ष विनोद प्रजापति, एम एल सी सुरेन्द्र चौधरी मौजूद रहे।

मोदी मय हुआ महानगर, महानगर अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं से जी जान से जुट जाने का किया आह्वाहन

शुक्रवार को होने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम को लेकर प्रयागराज महानगर मोदी मय हो गया है। शहर के प्रमुख चौराहों सहित जगह जगह महाकुंभ में स्वागत को लेकर पीएम मोदी की तस्वीर लगी होर्डिंग और पेंटिंग्स लगाई गई हैं। भाजपा महानगर अध्यक्ष राजेंद्र मिश्र, गंगापार जिलाध्यक्ष कविता पटेल ने सभी मंडलों के सभी बूथों से भारी से भारी संख्या में कार्यकताओं से पीएम मोदी के जनसभा में पहुंचने की अपील की है। महापौर गणेश केसरवानी ने पार्षदों के साथ बैठक कर लोगों को जनसभा स्थल तक ले जाने की रूपरेखा बनाई। भाजपा महिला मोर्चा 1 हजार महिलाओं के साथ जनसभा स्थल तक पैदल मार्च करता हुआ जायेगा। युवा मोर्चा की टीम को जनसभा स्थल पर मुस्तैद रहने को कहा गया है संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों द्वारा।

मुख्यमंत्री का हेलीपैड पर किया स्वागत

कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, नंद गोपाल गुप्ता नंदी, सिद्धार्थ नाथ सिंह, महानगर अध्यक्ष राजेंद्र मिश्र, गंगापार अध्यक्ष कविता गुरु प्रसाद मौर्य, विनोद प्रजापति, रीता बहुगुणा जोशी, एम एल सी सुरेन्द्र चौधरी, गंगापार मीडिया प्रभारी, उमेश तिवारी, मीडिया प्रभारी विवेक मिश्रा, राकेश भारती, प्रशांत शुक्ल, दीप द्विवेदी, आनंद दुबे, अंगद पटेल, आस्तिक शुक्ला, गोलू सिंह, राहुल तिवारी, पीयूष ओझा, गुड्डू राजा,आदि कार्यकताओं ने हेलीपैड पर सीएम योगी आदित्यनाथ का स्वागत किया।

फाफामऊ रेलवे स्टेशन का निरीक्षण कर दिया निर्देश

सबसे तेज प्रयागराज

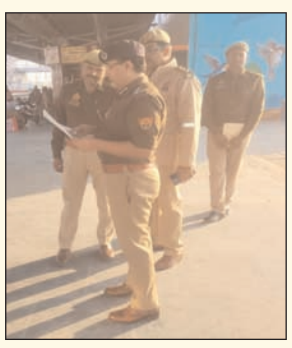

प्रयागराज। महाकुम्भ-2025 के दृष्टिगत पुलिस उपमहानिरीक्षक रेलवे प्रयागराज ने रेलवे स्टेशन फाफामऊ की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। गुरुवार को राहुल राज पुलिस उपमहानिरीक्षक रेलवे प्रयागराज द्वारा रेलवे स्टेशन फाफामऊ का आगामी महाकुंभ मेला के दृष्टिगत निरीक्षण किया गया व सुरक्षा व्यवस्था का जायज लिया गया। रेलवे स्टेशन, प्लेटफार्म आदि का निरीक्षण कर तैयारियों के संबंध में संबंधित को निर्देश दिया गया। इस मौके पर प्रभारी निरीक्षक थाना जीआरपी प्रयागराज राजीव रंजन उपाध्याय पुलिस बल मौजूद रहा।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार जख्मी,भेजे गए अस्पताल

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। सैनी कोतवाली के आदर्श नगर पंचायत अझुवा राष्ट्रीय राजमार्ग भोला चौराहा के निकट अज्ञात वाहन ने बाइक सवारों को टक्कर मार दिया जिससे बाइक सवार सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से जख्मी हो गए मौके पर रहे नगरवासियों ने दोनों जख्मी को नजदीकी डॉक्टर से प्राथमिक उपचार कराया मौके पर पहुंची अझुवा चौकी पुलिस ने एंबुलेंस से घायलों को जिला अस्पताल भेज दिया है।

घटनाक्रम के मुताबिक राघव 26 वर्ष पुत्र मनोज त्रिवेदी, अंकुश29 वर्ष पुत्र अमर सिंह निवासी रूरा कानपुर देहात मोटरसाइकिल से बनारस किसी शादी समारोह में शामिल होने गए थे आज गुरुवार शाम 8 बजे बाइक से दोनों वापस अपने घर कानपुर लौट रहे थे अझुवा कस्बे के भोला चौराहा के निकट अज्ञात वाहन टक्कर मार कर फरार हो गया दोनों घायलों का पुलिस ने परिजनों को खबर करते हुए नजदीकी डॉक्टर से प्राथमिक उपचार करवाकर एंबुलेंस से जिला अस्पताल भेज दिया है।

बसपा ने किया नव सृजित जिला महाकुंभ मेला कमेटी का गठन, सतीश जाटव बने अध्यक्ष

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की महाकुंभ मेला जिला कमेटी का गठन किया गया। नवसृजित जिले का अध्यक्ष सतीश जाटव को बनाया गया है। इसके अलावा विनय पासी, राजनाथ पाल, शंकर लाल गौतम और मनोज पाल जिला प्रभारी बनाए गए हैं। जिला उपाध्यक्ष राजेश तिवारी, जिला महासचिव बुद्धि प्रकाश, जिला सचिव अनीस अहमद, जिला कोषाध्यक्ष रामबाबू चौधरी बनाए गए हैं जबकि जिला कार्यकारिणी सदस्य पंकज गौतम, गुलाब गौतम बनाए गए हैं। वामसेफ जिला संयोजक उर्मिला राव को बनाया गया है।

लंबित मांगों के निस्तारण को लेकर डीआईओएस कार्यालय पर धरना

शिक्षकों की समस्याओं के निस्तारण तक जारी रहेगा आंदोलन : डा हरिप्रकाश यादव

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ (एकजुट) प्रयागराज जनपद के कार्यकारिणी की बैठक शहीद चंद्रशेखर आजाद पार्क में सायं चार बजे हुई । कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष देवराज सिंह व संचालन मंत्री डीपी यादव ने किया। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य जनपदीय कार्यकारिणी के पदाधिकारियो का स्वागत व प्रदेश नेतृत्व के आवाहन पर नौ दिसंबर सोमवार को जिला विद्यालय निरीक्षक के द्वारा मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन देने की रणनीति पर चर्चा हुई ।

एनजीओ ने पति पत्नी के बीच कराई सुलह, बच्चों के चेहरे खिले

बहराइच। पति पत्नी में सुलह कराने का काम एक निजी संस्था ने भी किया है। छः माह से नाराज चल रहे दंपति में सुलह कराकर दो बच्चों को उनके माता-पिता का प्यार मिलने की स्थिति बन गई है। निजी संस्था बेगम हस्त शिल्प सेवा समिति की संचालिका कुरेशा बेगम ने बताया कि उनके कार्यालय में एक विवाहित जोड़े का मामला आया जिनके दो बच्चे हैं। दोनों जिला श्रावस्ती के रहने वाले है।

इस विवाहित जोड़े में 6 महीनों से विवाद चल रहा था। बुधवार को बेगम हस्त शिल्प सेवा समिति के कार्यालय पर इस विवाहित जोड़े का सुलह समझौता कराया और हंसी खुशी घर भेजा गया। इस दौरान दोनों बच्चे भी काफी प्रसन्न नजर आए। एनजीओ की ओर से हिदायत दी गई है कि दोबारा इस प्रकार के विवाद की स्थिति न उत्पन्न हो कि उसका निस्तारण घर के बाहर कराने की नौबत न आए।

लाल मेरी पत रखियो बला झूले लाल... दमादम मस्त कलंदर

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। एक ही जगह देशभर के पारंपरिक पहनावे, राजस्थान की स्वादिष्ट जलेबी और लखनवी बिरयानी, ड्राइंग रूम को सजाने के लिए लकड़ी और विभिन्न धातुओं के कलात्मक आयटम तो कहीं महिलाओं के सजने संवरने का सामान। यहां माहौल ही ऐसा है कि तन-मन उमंग से भर उठता है। एनसीजेडसीसी (उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र) में लगे राष्ट्रीय शिल्प मेले में आने वाले शहरियों की जुबां पर लगभग ऐसे ही शब्द हैं, जो मेले की रोशनी में और जगमगाहट ला रहे हैं। विभिन्न राज्यों से आए शिल्पकारों के स्टाल तो शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रम, शहरवासियों को खूब भा रहे रहे हैं। रविवार को मुक्ताकाशी मंच पर प्रयागराज से रंजीता श्रीवास्तव ने भजन पेश किया - 'रघुवर झूल रहे

अपनी उमंग में, सियाजी के संग में ना' तथा 'कान्हा बरसाने में आ जइयो, 'बुलाई गई राधा प्यारी' से सुरों का जादू चलाया। पंडाल भक्तिमय होकर राधे-राधे के जयकारों से गूंज उठा। जलज श्रीवास्तव एवं दल ने 'नियत-ए- शौक गर न जाए, कहीं हमको किसके गम ने मारा, आज जाने की जिद ना करो और दमा दम मस्त कलंदर व छाप तिलक सब छीनी' को पेश कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया।

लोकनृत्यों पर झूमे दर्शक

विभिन्न राज्यों से आए कलाकारों ने परंपराओं के पंखों पर लोकनृत्य की उड़ान भर कर पंडाल में बैठे दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। नृत्यों की कड़ी में पंजाब से आए अमरेंद्र सिंह एवं साथी कलाकारों ने भांगड़ा नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों में जोश भर दिया। आशा देवी एवं दल द्वारा झूमर नृत्य की प्रस्तुति देकर खूब तालियां बटोरी। इसी क्रम में पांचाली और साथी कलाकारों ने त्रिपुरा का होजागिरी नृत्य की प्रस्तुति देकर लोगों को मंत्रमुग्ध किया। मथुरा से आए नरेन्द्र शर्मा एवं दल द्वारा ब्रज के लोकनृत्य देख दर्शक मग्न होकर झूमते नजर आए। कोलकाता से आए हरेकृष्ण एवं दल द्वारा ढोल, खंजीरा के साथ खोल वादन की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का संचालन अभिजीत मिश्रा ने किया।

महाकुंभ- 2025 को बढ़ावा देने के लिए काठमांडू में हुई भारत-नेपाल पर्यटन बैठक

काठमांडू। काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास ने नेपाल पर्यटन बोर्ड के साथ मिलकर प्रयागराज, उत्तर प्रदेश में महाकुंभ 2025 को बढ़ावा देने पर केंद्रित पहली भारत-नेपाल पर्यटन बैठक आयोजित की। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य अगले साल जनवरी-फरवरी में उत्तर प्रदेश में आयोजित होने वाले महाकुंभ मेला के प्रचार-प्रसार के साथ-साथ भारत और नेपाल के बीच सर्किट पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए आपसी सहयोग बनाना था।भारतीय दूतावास के मिशन के उप प्रमुख प्रसन्न श्रीवास्तव ने नेपाल के संस्कृति, पर्यटन और नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री अरुण कुमार चौधरी और नेपाल पर्यटन बोर्ड के सीईओ दीपक राज जोशी के साथ सत्र का उद्घाटन किया।भारतीय दूतावास ने एक बयान में कहा बैठक के दौरान बी2बी कार्यक्रम में भारत के 13 प्रतिनिधियों और नेपाल के 60 टूर ऑपरेटरों ने भाग लिया। चर्चा में सीमा पार पर्यटन (खासकर भूमि मार्ग के माध्यम से) को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया गया। दोनों पक्षों के टूर ऑपरेटरों ने रामायण और बौद्ध सर्किट के संदर्भ में दोनों पक्षों के आगंतुकों के लिए संभावित यात्रा योजनाओं पर विचार-विमर्श किया।

सड़क हादसे में एक वर्ष के भीतर 283 लोगों ने गंवाई जान, 610 लोग हुए घायल

14 दुर्घटना बाहुल्य क्षेत्र निर्धारित, डीएम के निर्देश के बावजूद नहीं लगाए गए जागरूकता संदेश

बहराइच। जिले में सड़क हादसों का ग्राफ काफी बढ़ गया है। जिसके चलते एक वर्ष में 283 लोगों की मौत हो गई। वहीं 610 लोग घायल हुए हैं। इसका मुख्य कारण ब्लैक स्पॉट चिन्हित होने के बाद भी संकेतांक न लगना है। लेकिन यातायात और सहायक संभागीय परिवहन विभाग सिर्फ कागजों पर ही हादसे रोकने के उपाय करता दिख रहा है।

तराई बहराइच जनपद हादसों का जिला बनता जा रहा है। जिसका नतीजा है कि बीते एक वर्ष में 283 लोग काल के मुंह में समा गए। किसी ने बेटा तो किसी ने अपना भाई तो किसी ने पिता तो किसी ने अपना पति सड़क हादसो में खो दिया। इतना ही नहीं एक वर्ष में सड़क हादसों 610 से अधिक लोग घायल भी हुए हैं। इनमें कुछ लोग पूरी तरह से अपाहिज बन गए हैं। लेकिन हादसों पर अंकुश के लिए सिर्फ कागजों पर ही कार्रवाई चल रही है।

यह हम नहीं बल्कि पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा चिन्हित ब्लैक स्पॉट बता रहे हैं।

ब्लैक स्पॉट चिन्हित कर लिए गए हैं, लेकिन वहां पर दुर्घटना बाहुल्य क्षेत्र का जागरूकता बोर्ड नहीं लगाया गया है। जिसके चलते हादसों पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। जिले में 23 दुर्घटना बाहुल्य ब्लैक स्पॉट चिन्हित किए गए हैं। जबकि राष्ट्रीय राजमार्ग पर 14 दुर्घटना बाहुल्य ब्लैक स्पॉट्स चिन्हित हुए हैं। लेकिन डीएम के बार बार संदेश के बाद भी यहां पर जागरूकता बोर्ड नहीं लगाए जा रहे हैं। ऐसे में सड़क हादसे कैसे रुके, यह सवाल सभी के मन में उठ रहा है।

इस मामले में सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी राजीव कुमार से बात की गई तो उन्होंने बताया कि जागरूकता कार्यक्रम के द्वारा लोगों को निर्धारित स्पीड में वाहन चलाने के लिए प्रेरित किया जाता है। साथ ही नशे में लोग वाहन न चलाएं इसके लिए भी जागरूक किया जा रहा है।

आराधना-महोत्सव : महाकुंभ, प्रयागराज को मिली अन्तर्राष्ट्रीय पहचान-शंकराचार्य वासुदेवानंद

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। श्रीब्रह्म निवास अलोपीबाग स्थित आदिशंकराचार्य मंदिर में आयोजित नौ दिवसीय आराधना-महोत्सव श्रीमद्भागवत कथा कार्यक्रम में छठें दिन गुरुवार को शंकराचार्य स्वामी वासुदेवानंद ने त्रिवेणी मार्ग स्थित श्रीराम-जानकी मंदिर में भगवान राम, माता जगदम्बा सीता, कुंवर लक्ष्मण एवं प्रभु हनुमान को माल्यापर्ण कर पूजा-आरती किया। शंकराचार्य ने कहा कि सनातन धर्म की असीम आध्यात्मिक बौद्धिक सम्पदा विधर्मियों के हाथ में जाने के कारण नष्टप्राय हो गई थी किन्तु समय बदला। सनातन मतावलम्बी जागृत

हुए और सनातन धर्मावलम्बी शासक के सत्तारूढ़ होने पर प्रयागराज और महाकुंभ मेले को अन्तर्राष्ट्रीय पहचान मिली। शंकराचार्य ने कहा कि सनातन धर्म व सहिष्णुता की उपेक्षा और अनादर कर कुछ लोगों ने गलत अर्थ देते हुए उसके अस्तित्व को नष्ट करने की चेष्टा किया किन्तु समय आया और देश भारत सनातन विश्व का मार्गदर्शक बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। सनातन संस्कृति का ज्ञान प्रचार-प्रसार बढ़ रहा है। इस पर अभी तक ध्यान नहीं दिया गया था। भक्तों, सन्तों और अखाड़ा के महात्माओं का अद्भुत समन्वय माघ महाकुंभ के अवसर पर संगम में स्नान करने के लिए विश्व से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए यह प्रेरणास्पद होगा। जयपुर से पधारे राधे मोहन एवं सहयोगियों द्वारा नवान्ह श्रीरामचरितमानस गायन किया। मध्य प्रदेश से पधारे श्रीमद्भागवत कथावाचक व्यास ओमनारायण तिवारी ने कथा सुनाई। रस वर्षण के पश्चात श्रीमद्भागवत एवं ज्योतिष्पीठाधीश्वर जगद्गुरू शंकराचार्य स्वामी शान्तानंद महाराज की पूजा-आरती के बाद भगवान मैदानेश्वर बाबा की पूजा आरती व प्रसाद वितरण हुआ। ज्योतिष्पीठ प्रवक्ता पंङ्गओंकारनाथ त्रिपाठी ने बताया कि आराधना महोत्सव कार्यक्रम 15 दिसम्बर तक चलेगा। इस अवसर पर प्रमुख रूप से दण्डी संन्यासी स्वामी विनोदानंद सरस्वती, दण्डी स्वामी ब्रह्मानंद सरस्वती, दण्डी संन्यासी ब्रह्मपुरी, ज्योतिष्पीठ संस्कृत महाविद्यालय के पूर्व प्रधानाचार्य शिवार्चन उपाध्याय, आचार्य अभिषेक मिश्रा, आचार्य विपिन देवानंद, आचार्य मनीष मिश्रा, सीताराम शर्मा, अनुराग, दीप कुमार पाण्डेय आदि शामिल रहे।

शार्ट सर्किट से कपड़े की दुकान में लगी आग, लाखों रुपए का नुकसान

बहराइच। मिहींपुरवा नगर पंचायत के वार्ड नंबर 5 जरही के मोहल्ला जरही रोड पर उत्सव वस्त्रालय के नाम से संचालित दुकान में मंगलवार सुबह 8: 30 बजे शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। आग की चपेट में आने से दुकान में रखे कपड़े जलने लगे। सूचना पाकर दुकान मालिक मौके पर पहुंचे। दमकल विभाग को सूचना दी, लेकिन दमकल वाहन मौके पर एक घंटे बाद पहुंचा जिसके चलते सारा सामान जलकर राख हो गया। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर जांच की है।

मोतीपुर थाना क्षेत्र के नगर पंचायत मिहीपुरवा के जरही निवासी मोहम्मद रफीक के कपड़े की दुकान में शॉर्ट सर्किट से मंगलवार सुबह आग लग गई। आसपास के लोगों ने दुकान से निकल रहे धुएं को देखकर दुकान मालिक मोहम्मद रफीक को फोन कर आग लगने की सूचना दी। सूचना पाकर जब तक दुकान पर पहुंचते तब तक दुकान में रखा कपड़ा काफी मात्रा में जल चुका था। दुकान मालिक के मुताबिक लगभग आठ लाख की संपति का नुकसान हुआ है। दुकान मालिक की सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच की है। राजस्व कर्मियों ने भी मौके का मुआयना कर रिपोर्ट तहसील को दी है।अग्निकांड पीड़ित मोहम्मद रफीक का कहना है कि यदि समय से फायर ब्रिगेड की गाड़ी आ जाती तो शायद कम नुकसान होता। उन्होंने बताया कि वैवाहिक कार्यक्रम का सीजन चल रहा है। जिसके कारण दुकान के बगल में ही गोदाम बना रखे थे। जिसमें लगभग 8 लाख रुपए की कीमत के कपड़े रखे थे। कपड़ों के साथ साथ दुकान में लगा फर्नीचर एवं बिजली की वायरिंग व अन्य उपकरण भी जलकर राख हो गए हैं।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टेस्ट से पहले ब्रिस्बेन पहुंची भारतीय टीम

एजेंसी

ब्रिस्बेन। रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ प्रतिष्ठित बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी (बीजीटी) के तीसरे टेस्ट मैच से पहले ब्रिस्बेन पहुंच गई। पांच मैचों की सीरीज में दोनों टीमें एक-एक टेस्ट जीतकर बराबरी पर हैं। ट्रैविस हेड के घरेलू मैदान पर शानदार शतक और मिशेल स्टार्क और पैट कमिंस के शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन की बदौलत एडिलेड ओवल में ऑस्ट्रेलिया ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दूसरे टेस्ट में 10 विकेट से जीत हासिल की। ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच सीरीज का तीसरा मैच शनिवार से प्रतिष्ठित गाबा में शुरू होगा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल ने टीम इंडिया के एडिलेड से ब्रिस्बेन की यात्रा की एक क्लिप साझा की है। टीम तीसरे टेस्ट मैच में शक्तिशाली ऑस्ट्रेलियाई टीम से भिड़ने के लिए उत्साहित है और आराम के मूड में है।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग: नंबर वन बल्लेबाज बने हैरी ब्रूक, गेंदबाजों में बुमराह शीर्ष पर बरकरार

नई दिल्ली। हैरी ब्रूक ने जो रूट को पछाड़कर नवीनतम आईसीसी पुरुष टेस्ट बल्लेबाज रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। वहीं गेंदबाजों की सूची में जसप्रीत बुमराह शीर्ष पर बने हुए हैं।आईसीसी ने एक बयान में कहा, टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर बदलाव हुआ है, जबकि ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के सितारों ने अद्यतन सूची में बढ़ी बढ़त हासिल की है। पिछले हफ्ते वेलिंगटन में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने आठवें टेस्ट शतक के दम पर ब्रूक ने रूट को पछाड़कर शीर्ष स्थान हासिल किया, इंग्लैंड के दाएं हाथ के इस खिलाड़ी ने अब रैंकिंग में रूट पर एक अंक की बढ़त बना ली है। ब्रूक के कुल 898 रेटिंग अंक है, जबकि रूट के 897 अंक है। रूट ने इस साल जुलाई में न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान केन विलियमसन को पछाड़कर शीर्ष स्थान हासिल किया था और अपने शानदार करियर में कुल नौ बार पहले स्थान पर रहे हैं। ब्रूक ने बेसिन रिजर्व में ब्लैक कैप्स पर इंग्लैंड की 323 रनों की प्रभावशाली जीत के दौरान 123 और 55 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज स्टार ट्रैविस हेड छह पायदान ऊपर पांचवें स्थान पर और दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा तीन पायदान ऊपर सातवें स्थान पर पहुंच गए हैं। पूर्व नंबर 1 रैंक वाले बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन तीन पायदान ऊपर 13वें स्थान पर पहुंच गए हैं। श्रीलंका के दाएं हाथ के बल्लेबाज दिनेश चांदीमल (दो पायदान ऊपर 15वें स्थान पर) और दक्षिण अफ्रीका के विकेटकीपर काइल वेरेन (15 पायदान ऊपर 23वें स्थान पर) भी टेस्ट बल्लेबाजों की सूची में ऊपर चढ़े हैं।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी : वेंकटेश अय्यर के हरफनमौला प्रदर्शन से मध्य प्रदेश सेमीफाइनल में

अलूर (कर्नाटक)। हरप्रीत सिंह और वेंकटेश अय्यर की शानदार बल्लेबाजी की बदौलत मध्य प्रदेश ने अलूर में सौराष्ट्र को चार गेंद शेष रहते छह विकेट से हराकर 2010-11 के बाद पहली बार सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। सौराष्ट्र ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 173 रन बनाए। जवाब में मध्य प्रदेश ने 19.2 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर लिया। मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी वेंकटेश ने 33 गेंदों पर नाबाद 38 रन बनाए, इसके अलावा उन्होंने तीन ओवर में 23 रन देकर दो विकेट लिए। दूसरी तरफ हरप्रीत ने नौ गेंदों पर आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 22 रन बनाए। इन दोनों के अलावा मध्य प्रदेश के लिए अर्पित गौड़ (29 गेंदों पर 42 रन), सुभ्रांशु सेनापति (16 गेंदों पर 24 रन) और कप्तान रजत पाटीदार (18 गेंदों पर 28 रन) ने भी मध्य प्रदेश के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया। वहीं, सौराष्ट्र के लिए चिराग जानी ने 45 गेंदों पर नाबाद 80 रन बनाए। जानी ने अपनी पारी में आठ चौके और चार छक्के लगाए। उन्होंने सौराष्ट्र के लिए आखिरी तीन ओवरों में 45 रन जोड़े। एक समय 36 गेंदों पर 54 रन बनाने वाले गोहिल ने 18वें ओवर से दो चौके और एक छक्का लगाया।

ऋषि सिंह ने की शानदार बल्लेबाजी, टाइम्स आफ इंडिया ने हिंदुस्तान टाइम्स को हराया

लखनऊ। मैन ऑफ द मैच फहीम (3 विकेट) की अगुवाई में धारदार गेंदबाजी से इलेक्ट्रानिक मीडिया ने एसबीआई कप मीडिया प्रीमियर लीग में मान्यता प्राप्त पत्रकार एकादश को सात विकेट से हराते हुए सेमीफाइनल में स्थान सुरक्षित किया। लखनऊ स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट एसोसिएशन (एलएसजेए) के तत्वावधान में गुरू गोविंद सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज के क्रिकेट मैदान पर खेली जा रही लीग में दूसरे मैच में मैन ऑफ द मैच ऋषि सिंह संगम (60 रन, 2 विकेट) के आलराउंड खेल के बदौलत टाइम्स आफ इंडिया ने हिंदुस्तान टाइम्स को 33 रन से हराया।पहले ही सेमीफाइनल में जगह बना चुकी टाइम्स ऑफ इंडिया ने इस जीत के बाद पूल ए में 3 मैचों में 3 जीत के चलते 6 अंक के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। इसी पूल से इलेक्ट्रानिक मीडिया 3 मैचों में 2 जीत के चलते 4 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रही। पहले मैच में मान्यता प्राप्त पत्रकार एकादश पहले बल्लेबाजी करते हुए 14.2 ओवर में 55 रन ही बना सका।

ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम ने भारत को 83 रन से हराया

एजेंसी

पर्थ। ऐनाबेल सदरलैंड (110 रन और एक विकेट) और एश्ली गार्डनर (50 रन और पांच विकेट) के हरफनमौला प्रदर्शन और कप्तान तालिया मैक्ग्रा (नाबाद 56) की अर्धशतकीय पारियों के बाद दम पर ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम ने तीसरे एकदिवसीय मुकाबले में भारत को 83 रनों से हरा दिया है। इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैचों की सीरीज भी जीत ली। ऐनाबेल सदरलैंड को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' और 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' से नवाजा गया।

ऑस्ट्रेलिया के 299 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 16 रन के स्कोर पर ऋचा घोष (दो) का विकेट गवां दिया। हालांकि इसके बाद स्मृत मंधाना और हरलीन देओल के बीच दूसरे विकेट के लिये 118 रनों की साझेदारी हुई। 28वे ओवर में अलाना किंग ने अपनी ही गेंद पर हरलीन देओल (39) को कैच कर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद कप्तान हरमनप्रीत कौर (12), जेमिमाह रॉड्रिग्स

(16), मिन्नू मनी (आठ), अरुंधति रेड्डी (पांच), तितास साधु (तीन) रन बनाकर आउट हुई। स्मृति मंधाना एक छोर थामे खड़ी रही और उन्होंने (105) रनों की शतकीय पारी खेली। मंधाना ने अपनी शतकीय पारी में 14 चौके और एक छक्का लगाया। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजी आक्रमण 28वें ओवर से सक्रिय हुआ और उसने भारतीय टीम की बल्लेबाजी को ध्वस्त कर दिया। भारत की पूरी टीम 45.1 ओवर 215 रन पर सिमट गई। भारत के सात बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके।ऑस्ट्रेलिया की ओर से एश्ली गार्डनर ने पांच विकेट लिये। मेगन शूट और अलाना किंग को दो-दो विकेट मिले। ऐनाबेल सदरलैंड ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां भारतीय महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया के लिए फीबी लिचफील्ड और जॉर्जिया वॉल की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिये 58 रन जोड़े। 11वें ओवर में अरुंधति रेड्डी ने जॉर्जिया वॉल (26) को बोल्ड कर भारत को पहली सफलता दिलाई। इसी ओवर की चौथी गेंद पर अरुंधति ने फीबी लिचफील्ड (25) को आउट कर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद 15वें ओवर में अरुंधति ने एलिस पेरी (चार) को बोल्ड कर भारत को तीसरी सफलता दिलाई। बेथ मूनी (10) भी अरुंधति का शिकार बनी। इसके बाद ऐनाबेल सदरलैंड और एश्ली गार्डनर की जोड़ी ने पारी को संभाला और तेजी के साथ रन बटोरे। 34वें ओवर में दीप्ति शर्मा ने एश्ली गार्डनर (50) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। एश्ली गार्डनर के जाने के बाद बल्लेबाजी करने आयी कप्तान तालिया मैक्ग्रा ने ऐनाबेल सदरलैंड का बखूबी साथ निभाया। आखिरी ओवर में ऐनाबेल सदरलैंड 95 गेंदों में (110) रन बनाकर रनआउट हुई।

विश्व शतरंज चैम्पियनशिप 2024 : 13वें राउंड के बाद डिंग लिरेन ने गुकेश को बराबरी पर रोका

एजेंसी

नई दिल्ली। खेल के इतिहास में सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियनशिप चैलेंजर भारत के डी. गुकेश ने सिंगापुर

के रिज़ॉर्ट वर्ल्ड सेंटोसा में चल रहे विश्व शतरंज चैम्पियनशिप 2024 में मौजूदा विश्व चैंपियन चीन के डिंग लिरेन के खिलाफ जीत हासिल करने के लिए हर संभव कोशिश की, लेकिन चीनी ग्रैंड मास्टर ने अपना सर्वश्रेष्ठ रक्षात्मक खेल दिखाया और 13वें गेम में गुकेश को बराबरी पर रोक दिया। 13 राउंड के बाद स्कोरलाइन 6.5-6.5 से बराबर है और इस चैम्पियनशिप में केवल एक और गेम शेष है।गुकेश ने d4 से शुरुआत की और डिंग ने फ्रेंच डिफेंस गेम खेलने के लिए e6 से जवाब दिया।इससे पहले सोमवार को, डिंग ने गुकेश को सफेद मोहरों से हराया जिससे उन्हें विश्व चैम्पियनशिप श्रृंखला में बराबरी हासिल करने में मदद मिली।डिंग के पास गुरुवार को आखिरी बार सफेद मोहरे होंगे। यदि चैंपियनशिप 14 राउंड के बाद टाई हो जाती है, तो यह गेम टाई-ब्रेक में छोटे समय के प्रारूप में चली जाएगी।

दिल्ली, उप्र को 19 रनों से हराकर एसएमएटी टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में

एजेंसी

बेंगलुरु। अनुज रावत (नाबाद 73), प्रियांश आर्य (44), यश ढुल (42) की शानदार बल्लेबाजी के बाद गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत दिल्ली ने दूसरे क्वार्टर फाइनल में उत्तर प्रदेश को 19 रनों से हराकर सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। 194 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी उत्तर प्रदेश की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 45 के स्कोर तक अपने तीन विकेट गवां दिये। करण शर्मा (एक), आर्यन जुयाल (11) और नीतीश राणा (दो) रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद प्रियम गर्ग के साथ रिंकू सिंह ने पारी को संभालने का प्रयास किया। 10वे ओवर में प्रिंस यादव ने रिंकू सिंह (10) को विकेटकीपर अनुज के हाथों कैच आउट कराकर पवेलियन भेज दिया। उत्तर प्रदेश को जीत की ओर ले जा रहे प्रियम गर्ग को 12वें ओवर में समरजीत सिंह ने अपना शिकार बना लिया। प्रियम गर्ग ने 34 गेंदों में छह चौके और तीन छक्के लगाते हुये (54)रनों की पारी खेली। 14वें ओवर में प्रिंस यादव ने समीर रिजवी (26)

को आउट कर दिल्ली को छठी सफलता दिलाई। अगले ही ओवर में हर्ष त्यागी ने विपराज निगम (सात) को आउट कर उत्तरप्रदेश को संकट में डाल दिया। आठवां विकेट शिवम मावी (चार) का गिरा। आखिरी ओवरों में कप्तान भुवनेश्वर कुमार और मोहसिन खान ने आतिशी बल्लेबाजी का मुजाहिरा किया। 19वें ओवर में आयुष बदोनी ने भुवनेश्वर कुमार (20) को आउट कर इस आतिशबाजी का अंत किया। मोहसिन खान 18 रन बनाकर नाबाद रहे। उत्तर प्रदेश की टीम 20ओवर में 174 रन पर ढ़ेर हो गई। दिल्ली ने 19 रनों से जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में जगह बनाई। दिल्ली की ओर से प्रिंस यादव ने तीन विकेट लिये। आयुष बदोनी, सुयश शर्मा को दो-दो विकेट मिले। इशांत शर्मा, सिमरजीत सिंह, और हर्ष त्यागी ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां उत्तर प्रदेश ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया।

त्रिशा जॉली-गायत्री गोपीचंद को रोमांचक मुकाबले में विश्व नंबर वन जोड़ी से मिली हार

एजेंसी

हांगझोउ । त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद की भारतीय जोड़ी को ने बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल 2024 में महिला युगल के अपने पहले मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। आज यहां चीन के हांगझोउ में पहली बार इस टूर्नामेंट में खेल रही भारतीय जोड़ी को टोक्यो ओलंपिक 2024 की रजत पदक लियू शेंग शु और तन निंग से 22-20, 20-22, 14-21 से हार का सामना करना पड़ा।

बैडमिंटन रैंकिंग में 13वें पायदान पर काबिज त्रिशा और गायत्री ने विश्व नंबर वन चीनी जोड़ी के खिलाफ शुरुआती गेम में 13-8 की बढ़त बना ली, लेकिन इसके बाद जल्द ही 19-19 से स्कोर बराबरी पर हो गया, लेकिन भारतीय जोड़ी ने पहले गेम को 22-20 से अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में भी करीबी टक्कर देखने को मिली, लेकिन एक बार फिर चीनी जोड़ी ने अपनी बढ़त 17-12 तक बढ़ा दी। हालांकि भारतीय जोड़ी ने वापसी करते हुए 18-18 से बराबरी

की। इस बार चीनी जोड़ी ने दबाव में अच्छा खेल दिखाया और 22-20 से जीत हासिल की और मैच निर्णायक गेम में पहुंचा। तीसरे गेम में लियू शेंग शु और तन निंग ने अपनी अनुभव का फायदा उठाया और एक समय स्कोर 11-5 हो गया। इस बार त्रिशा और गायत्री की वापसी की कोशिशें नाकाम रहीं और चीनी जोड़ी ने अंतिम गेम 21-14 से जीतकर मैच अपने नाम कर किया।त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद 2024 के बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल में गुरुवार को मलेशिया की पर्ली तन और थिनाह मुरलिथरन के खिलाफ खेलेंगी।

दक्षिण अफ्रीका ने पाकिस्तान को 11 रनों से शिकस्त दी

एजेंसी

डरबन। जॉर्ज लिंडे (48 रन और चार विकेट) के हरफनमौल प्रदर्शन और डेविड मिलर (82) रनों की आतिशी पारी की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने पहले टी-20 मुकाबले में पाकिस्तान को 11 रनों से शिकस्त दी। जॉर्ज लिंडे को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' से नवाजा गया।

दक्षिण अफ्रीका के 183 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उन्होंने बाबर आजम (शून्य) का विकेट तीसरे ही ओवर में गवां दिया। इसके बाद सईम अयूब ने कप्तान मोहम्मद रिजवान के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। सातवें ओवर में ऐंडिले सिमेलाने ने सईम अयूब (31) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। 10वें ओवर मे लिंडे ने उस्मान खान (नौ) को आउट किया। तय्यब ताहिर (18), शाहीन शाह अफरीदी (नौ), इरफान

खान (एक) और अब्बास अफरीदी (शून्य) पर आउट हुये। हालांकि कप्तान मोहम्मद रिजवान एक छोर थामे खड़े रहे। 20वें ओवर में वेना मफाका ने मोहम्मद रिजवान को आउट कर पाकिस्तान के मैच जीतने की उम्मीदों को ध्वस्त कर दिया। रिजवान ने 62 गेंदों में पांच चौके और तीन छक्के लगाते हुये (74) रनों की पारी खेली। हारिस रउफ (दो) और सुफियान मकीम (पांच) रन बनाकर नाबााद रहे। वेस्टइंडीज के गेंदबाजी आक्रमण के आगे पाकिस्तान की टीम निर्धारित 20 ओवर में आठ विकेट पर 172 रन ही बना सकी और 11 रनों से मैच हार गई। वेस्टइंडीज की ओर से जॉर्ज लिंडे ने 21 रन देकर चार विकेट लिये। वेना मफाका को दो विकेट मिले। ऑटनील बार्टमैन और ऐंडिले सिमेलाने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए डेविड मिलर (82) और जॉर्ज लिंडे (48) रनों की शानदार पारियों के दम पर निर्धारित 20 ओवरों में नौ विकेट पर 183रन का स्कोर खड़ा किया। कप्तान हाइनरिक क्लासन (12) और वेना मफाका (नाबाद (12) रनों का योगदान दिया। हालांकि दक्षिण अफ्रीका के छह बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। पाकिस्तान की ओर से शाहीन शाह अफरीदी और अबरार अहमद ने तीन-तीन विकेट झटके। अब्बास अफरीदी को दो विकेट मिले। सुफियान मकीम ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

मुरादाबाद के रोल बॉल के तीन खिलाड़ियों का उत्तर प्रदेश टीम में चयन

एजेंसी

मुरादाबाद। जिला रोल बॉल स्पोर्ट्स एसोसिएशन के सचिव शाहवेज़ अली ने बताया कि जिला रोल बॉल के तीन खिलाड़ियों का मिनी सब जूनियर अंडर 11 और जूनियर अंडर 17 राष्ट्रीय स्तरीय नॉर्थ जोन रोल बॉल प्रतियोगिता के लिए उत्तर प्रदेश टीम में चयन हुआ है। यह तीनों चयनित खिलाड़ी 13 दिसम्बर को मुरादाबाद से देहरादून के लिए रवाना होंगे। शाहवेज़ अली ने आगे बताया कि 13 से 15 नवम्बर तक उत्तराखंड रोल बॉल संघ द्वारा देहरादून में स्थित परेड ग्राउंड स्टेडियम में मिनी सब जूनियर अंडर 11 और जूनियर अंडर 17 राष्ट्रीय नॉर्थ जोन रोल बॉल प्रतियोगिता आयोजित हो रही है। जिसमें देश भर के टॉप आठ राज्यों जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, लद्दाख और उत्तराखंड की टीमें प्रतिभाग करेंगी। उन्होंने कहा कि इस प्रतियोगिता में मुरादाबाद की तीन बालिका खिलाड़ियों का उत्तर प्रदेश टीम में चयन हुआ है।

जिसमें अंडर 11 बालिका वर्ग में आर एस डी स्पोर्ट्स एकेडमी की पीहू सिंघल और मुदीता का चयन हुआ है व अंडर 17 बालिका वर्ग में सिद्धि खुराना का चयन हुआ है।इस अवसर पर आर एस डी स्पोर्ट्स एकेडमी के निदेशक डॉ विनोद कुमार, डॉ जी कुमार, डॉ अजय शर्मा, डॉ गरिमा शर्मा सहित सभी ने तीनों खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं और उसका मनोबल बढ़ाया।

एचआईएल जैसी लीग में खेलने का सपना देखा करती थी: वंदना कटारिया

एजेंसी

बेंगलुरु। भारतीय महिला हॉकी टीम में करीब 15 साल के कठिन सफर के बाद, वंदना कटारिया इतिहास का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनने की कगार पर हैं क्योंकि वह अगले साल की शुरुआत में उद्घाटन महिला हॉकी इंडिया लीग में श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स के लिए मैदान में उतरने के लिए खुद को तैयार कर रही हैं।वंदना ने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, हमारे लिए यह बहुत बड़ी बात है कि महिला एचआईएल आखिरकार शुरू हो रही है। शिविर में उत्साह है क्योंकि सभी खिलाड़ी इस अनुभव का आनंद लेने और उच्च स्तर पर हॉकी खेलने के लिए उत्सुक हैं। हम सभी उम्मीद कर रहे हैं कि महिला एचआईएल एक बड़ी सफलता होगी और पुरुषों की एचआईएल जितनी ही चर्चा बटोरेगी। और हम बेहद उत्साहित हैं और इसे संभव बनाने के लिए हॉकी इंडिया का जितना धन्यवाद करें, कम है।वंदना भारतीय महिला हॉकी टीम के लिए

317 मैच खेल चुकी हैं और इस दौरान उन्होंने 158 गोल किए हैं। वह उस टीम का भी अहम हिस्सा थीं, जिसने तमाम मुश्किलों के बावजूद टोक्यो 2022 ओलंपिक में चौथा स्थान हासिल किया। फिर भी, एचआईएल में खेलने के विचार ने उनके अंदर जोश भर दिया और वंदना इसका श्रेय एचआईएल के भारतीय पुरुष हॉकी टीम पर पड़ने वाले प्रभाव को देती हैं।वंदना ने बताया, पिछले संस्करणों में, पुरुष टीम को अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के साथ घुलने-मिलने, उनके आत्मविश्वास के स्तर को बढ़ाने का मौका मिला और जैसा कि सभी देख सकते हैं, इससे टीम को काफी मदद मिली है और वे अब लगातार पदक जीत रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि इस साल जब महिला एचआईएल चार टीमों के साथ शुरू होगी, तो भी यही प्रभाव होगा। यह उन खिलाड़ियों के लिए एक अच्छा अवसर होगा, जो राष्ट्रीय शिविर में अपनी क्षमता दिखाने और विभिन्न कोचों के मार्गदर्शन में आगे बढ़ने में विफल रहे। इससे भारतीय महिला हॉकी टीम में आने वाली प्रतिभाओं के बेल्ट को मजबूत करने में भी मदद मिलेगी।

स्नूकर : मेरठ के शाहजेब सैफी ने लखनऊ के अशर को दी मात

एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के अक्षय कुमार ने तनुज कोहली मेमोरियल नॉर्थ इंडिया ओपन स्नूकर टूर्नामेंट के चौथे दौर में बेहतरीन खेल दिखाया और जीत के साथ प्री क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। यूपीबीएसए (उत्तर प्रदेश बिलियर्ड्स एंड स्नूकर एसोसिएशन) के तत्वावधान में आयोजित टूर्नामेंट के चौथे दौर में लखनऊ के तिग्मांशु सिंह, कंकन शम्सी व अशर अबरार को हार मिली। पिछले साल यूपी स्टेट चैंपियन रहे मेरठ के शाहज़ेब सैफी ने लखनऊ के अशर अबरार के खिलाफ 4-0 से शानदार जीत दर्ज की।6 रेड स्नूकर में भारत के पूर्व नंबर 1 लखनऊ के अक्षय कुमार ने देहरादून के रोहित गर्ब्याल को रोमांचक मैच में 4-3 से शिकस्त दी। इस रोमांचक मैच में दोनों खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट रणनीतिक गेमप्ले दिखाते हुए मैच को रोमांचक निर्णायक फ्रेम में में पहुंचा दिया। अक्षय ने अंतिम क्षणों में अक्षय कड़ी टक्कर देते हुए जीत दर्ज की। पिछले साल यूपी स्टेट चैंपियन रहे मेरठ के शाहज़ेब सैफी ने लखनऊ के अशर अबरार के खिलाफ 4-0 से शानदार जीत दर्ज की। शाहज़ेब ने रोमांचक मुकाबले में शुरू से ही पकड़ बना ली और लगातार 3 फ्रेम हासिल किए। उन्हांने और तीसरे फ्रेम में 122 अंकों का टूर्नामेंट का पहला शतकीय ब्रेक लगाया। उनके सामने वापसी की कवायद में अशर ने बढ़िया रणनीति से शाहज़ेब को मुश्किल में डाल दिया। हालांकि शाहज़ेब ने संयम के साथ दबदबा बनाते हुए सटीकता का प्रदर्शन किया और मैच को जीत लिया। वहीं पूर्व 6 रेड स्नूकर विश्व चैंपियन व इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन के लक्ष्मण रावत ने लखनऊ के तिग्मांशु सिंह को 4-0 से हराया।

वेस्टइंडीज ने बंगलादेश को सात विकेट से हराया

एजेंसी

बासटेयर। जेडेन सील्स (चार विकेट) के बाद ब्रैंडन किंग (89),एविन लुइस (49) और केसी कार्टी (45) रनों शानदार प्रदर्शन के दम पर वेस्टइंडीज ने दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में बंगलादेश को सात विकेट से शिकस्त दी। इसी के साथ वेस्टइंडीज ने तीन मैचों की सीरीज में 2-0 से अजेय बढ़त बना ली हैं।228 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज के लिए ब्रैंडन किंग और एविन लुइस की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट लिए 109 रन जोड़े। 21वें ओवर में रिशाद हुसैन ने एविन लुइस (49) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। वेस्टइंडीज का दूसरा विकेट ब्रैंडन किंग (89) के रूप में गिरा। उन्हें 29वें ओवर में नाहिद राणा ने बोल्ड आउट किया। 197 के स्कोर पर केसी कार्टी (45) वेस्टइंडीज की ओर से आउट होने वाले तीसरे बल्लेबाज थे। कप्तान शे होप (नाबाद17) और शरफेन रदरफोर्ड (नाबाद 24)ने 36.5 ओवर में तीन विकेट पर 230 रन बनाकर बंगलादेश पर सात विकेट से जीत दर्ज

की।बंगलादेश की ओर से नाहिद राणा, रिशाद हुसैन और अफिफ हुसैन ध्रुबो ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी बंगलादेश की टीम ने महमुदउल्लाह (62),तंजिद हसन (46), तनजीम हसन साकिब (45), अफिफहुसैन ध्रुबो (24) और शोरिफुल इस्लाम (15) रनों का योगदान दिया। वेस्टइंडीज के गेंदबाजी आक्रमण के आगे बंगलादेश की पूरी टीम 45.5 ओवर में 227 रन पर सिमट गई। वेस्टइंडीज की ओर से जेडेन सील्स ने चार विकेट लिये। गुडाकेश मोती को दो विकेट मिले। मार्किनो मिंडले, रोमारियो शेफर्ड, जस्टिन ग्रीव्स और रॉस्टन चेज ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

विदर्भ को छह विकेट से हराकर मुंबई पहुंचा एसएमएटी के सेमीफाइनल में

एजेंसी

बेंगलुरु । अजिंक्य रहाणे (84), पृथ्वी शॉ (49), सूर्यांश हेगड़े (नाबाद 36) और शिवम दुबे (नाबाद 37) की आतिशी पारियों की मदद से मुंबई ने विदर्भ को छह विकेट से हराकर सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के सेमीफाइनल में जगह बना ली हैं। 222 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुम्बई की पृथ्वी शॉ और अजिंक्य रहाणे की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिये 83 रन जोड़े। सातवें ओवर में दिपेश परवानी ने पृथ्वी शॉ को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। पृथ्वी शॉ ने 26 गेंदों में पांच चौके और चार छक्के लगाते हुए (49) रन बनाये। नौवें ओवर में यश ठाकुर ने शतक की ओर बढ़ रहे अजिंक्य रहाणे को आउट कर पवेलियन भेज दिया। अजिंक्य रहाणे ने 45 गेंदों में 10 चौके और तीन छक्के लगाते हुये (84)रनों की तूफानी पारी खेली। कप्तान श्रेयस अय्यर (पांच) और सूर्यकुमार यादव (10) रन बनाकर आउट हुये। शिवम दुबे ने 22 गेंदों में (नाबाद 37) और सूर्यांश हेगड़े ने 12 गेंदों में (नाबाद 36) रनों की पारी खेलते हुए अपनी टीम को 19.2 ओवर में चार विकेट पर 224 रन बनाकर छह विकेट से जीत दिला दी। विदर्भ की ओर से दिपेश परवानी ने दो विकेट लिये। हर्ष दुबे और यश ठाकुर ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां मुम्बई

ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी विदर्भ के लिए अथर्व तायडे और करुण नायर की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 60 रन जोड़े। छठे ओवर में अथर्व अनकोलेकर ने करूण नायर को बोल्ड कर मुंबई को पहली सफलता दिलाई। अगले ही ओवर में तनुष कोटियान ने पार्थ रेखड़े (एक) को पगबाधा कर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये अपूर्व वानखड़े ने अथर्व तायडे के साथ पारी को संभाला और तेजी के साथ रन बटोरे।

15वें ओवर में अथर्व अनकोलेकर ने अथर्व तायडे को पगबाधा आउट किया। अर्थव तायडे ने 41 गेंदों में 10 चौके और एक छक्का लगाते हुए (66) रन बनाये। 17वें में सूर्यांश हेगड़े ने अपूर्व वानखड़े को बोल्ड कर दिया। अपूर्व वानखड़े ने 33 गेंदों में दो चौके और तीन छक्के लगाते हुए (51) रनों की पारी खेली। कप्तान जितेश शर्मा (11), मंदार महाले (13) रन बनाकर आउट हुये। शुभम दुबे 19 गेंदों में तीन चौके और तीन छक्के लगाते हुए (43) रन पर नाबाद रहे। विदर्भ ने निर्धारित 20 ओवर में छह विकेट पर 221 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया।

मुम्बई की ओर से अथर्व अनकोलेकर और सूर्यांश हेगड़े ने दो-दो विकेट लिये। तनुष कोटियान ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

मनोविज्ञान की फील्ड में बना सकते हैं करियर

मनोविज्ञान का क्षेत्र है, जिसमें प्रत्येक आयुवर्ग के लोग विशेषज्ञता हासिल कर अपना करियर बना सकते हैं। इसमें मानव मन और व्यवहार का अध्ययन किया जाता है। मसलन, मस्तिष्क तनाव में कैसे काम करता है, यह कैसे भाषा सीखता है, तथ्यों को कैसे याद रखता है या किसी भी तरह की मानसिक बीमारी इसके काम करने के तरीके को कैसे प्रभावित कर सकती है। इस सेक्टर में विशेषज्ञता और रुचियों के आधार पर मनोविज्ञान डिग्री धारकों के लिए कई अलग-अलग विकल्प उपलब्ध हैं, जो कि इस प्रकार हैं-

- मनोविज्ञानी
- मनोचिकित्सक
- समाज सेवक
- काउंसलर
- शैक्षिक मनोवैज्ञानिक
- मानव संसाधन प्रबंधक
- अध्यापक
- अनुसंधान भूमिकाएं
- मीडिया भूमिकाएं
- मनोविज्ञान में करियर

मनोविज्ञान का कोर्स करने के बाद छात्र पब्लिक और प्राइवेट हेल्थ केयर, एजुकेशन, मेंटल हेल्थ स्पोर्ट्स, सोशल वर्क, थेरेपी एंड काउंसलिंग जैसे कई सेक्टर में करियर बना सकते हैं। यहां पर वे सलाहकार, अनुसंधान-आधारित, उपचार-आधारित या चिकित्सीय की भूमिका निभा सकते हैं। इसके अलावा मीडिया और अन्य रचनात्मक फील्ड में नौकरियों सहित मनोविज्ञान स्नातकों के लिए कई ऑप्शन भी हैं।

चार्टर्ड मनोवैज्ञानिक

एक चार्टर्ड मनोवैज्ञानिक के तौर पर आप व्यावसायिक मनोविज्ञान, शैक्षिक मनोविज्ञान, खेल और मानसिक स्वास्थ्य जैसे कई क्षेत्रों में विशेषज्ञता हासिल कर सकते हैं। यहां आप सभी पृष्ठभूमि के लोगों, रोगियों और क्लाइंट के साथ काम कर सकते हैं। इसके अंतर्गत आप कुछ मनोवैज्ञानिक मुद्दों पर बेहतर ढंग से समझने और सलाह देने के लिए आप व्यवहार, विचारों और भावनाओं का विश्लेषण कर सकते हैं। हालांकि यदि आप मनोचिकित्सक बनना चाहते हैं तो इसके लिए आपको मेडिकल डिग्री हासिल करने की आवश्यकता होगी।

मनोचिकित्सक

एक मनोचिकित्सक के तौर आपको व्यक्तियों, जोड़ों, समूहों या परिवारों के साथ काम करता होगा। जिससे आप अपने क्लाइंट्स को भावनात्मक और रिश्ते से संबंधित मुद्दों, तनाव और यहां तक कि व्यसन सहित मनोवैज्ञानिक परेशानियों को दूर करने में मदद कर सके। इनमें संज्ञानात्मक व्यवहार विधियां, मनोविश्लेषणात्मक और मनोगतिक चिकित्सा, साथ ही कला चिकित्सा, नाटक चिकित्सा, ह्यूमनिस्टिक और एकीकृत मनोचिकित्सा, सम्मोहन-मनोचिकित्सा और अनुभवात्मक चिकित्सा शामिल हैं।

समाज सेवक

एक सामाजिक कार्यकर्ता के तौर पर आपको ऐसे लोगों की स्थितियों में सुधार लाने के लिए काम करना होगा, जो अपने जीवन में कठिन दौर से गुजर रहे हैं। ये कोई भी हो सकते हैं जैसे बच्चों या बुजुर्गों का या ऐसा ही अन्य कोई ग्रुप, विकलांग लोगों और अपराध और दुर्व्यवहार के शिकार लोगों सहित अन्य कई। सामाजिक कार्यकर्ता स्कूलों, घरों, अस्पतालों या अन्य सार्वजनिक एजेंसियों के भीतर काम कर सकते हैं।

काउंसलर

एक काउंसलर लोगों को उनके जीवन, भावनाओं और अनुभवों के साथ बेहतर तरीके से सामंजस्य बिठाने में मदद करता है। यहां पर क्लाइंट की बातों को ध्यान से सुनना एक काउंसलर के लिए सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण होता है। एक काउंसलर में सुनने, सहानुभूति देने, सम्मान और धैर्य प्रदान करने की क्षमता साथ विश्लेषण करने की क्षमता होनी जरूरी है, ताकि क्लाइंट को उनकी स्थिति से बेहतर तरीके से निपटने में सक्षम बनाया जा सके। एक काउंसलर अक्सर विवाह और परिवार, स्वास्थ्य, दुर्व्यवहार, पुनर्वास, शिक्षा, दुख, मानसिक स्वास्थ्य, करियर मार्गदर्शन और बाल रोग सहित अनेक क्षेत्र शामिल हैं।

शिक्षा में मनोविज्ञान करियर

मनोविज्ञान कोर्स के बाद आप शिक्षा के क्षेत्र में भी जा सकते हैं। यहां आप शिक्षा के साथ-साथ शैक्षिक चिकित्सा, शैक्षिक मनोविज्ञान और शिक्षा के भीतर सामाजिक कार्य, मनोविज्ञान स्नातक प्राथमिक, माध्यमिक या कॉलेज, यूनिवर्सिटी स्तर की शिक्षा में काम कर रहे शिक्षकों के रूप में कार्य कर सकते हैं। इसके अलावा जेल के अंदर के युवा अपराधियों को ठीक करने के लिए काम कर सकते हैं। वहीं महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में करियर में प्रवेश करने के लिए आपको मास्टर / पीएचडी योग्यता की आवश्यकता होगी। उच्च शिक्षा के अंतर्गत आप शिक्षण या रिसर्च दोनों ही क्षेत्र में करियर बना सकते हैं।

रिसर्च में करियर

मनोविज्ञान के तौर पर आप रिसर्च एजेंसियों, पब्लिक और प्राइवेट ऑर्गनाइजेशन या विश्वविद्यालयों में रिसर्च कर सकते हैं। सभी क्षेत्रों के भीतर रिसर्च करियर और भी व्यापक हैं, इसमें सरकारी नीति विकास या उद्योग के लिए काम कर सकते हैं। आप एक चैरिटी या अन्य गैर-लाभकारी संगठन के लिए भी काम कर सकते हैं जो भाषण बाधाओं, मस्तिष्क क्षति, बाल विकास या मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य पर कानूनी और अवैध दवाओं के प्रभाव जैसी चुनौतियों को हल करने के लिए रिसर्च कर रहे हैं।

मीडिया और विज्ञापन करियर

मनोविज्ञान डिग्री होल्डरों के लिए मीडिया में भी विविध करियर हैं। मनोविज्ञान स्नातक मानव व्यवहार को लेकर कंपनी के लिए कई महत्वपूर्ण बातें बता सकते हैं। साथ ही समस्याओं का विश्लेषण करने, ध्यान से सुनने, प्रतिक्रिया देने और सहानुभूति और कारण के साथ कार्य करने की क्षमता प्रदान कर सकते हैं। इस वजह से, प्रबंधन, उत्पादन, शेड्यूलिंग और लेखन सहित सभी विभागों के भीतर मनोविज्ञान स्नातकों की मांग होती है।

मानव संसाधन और संचार करियर

मनोविज्ञान की डिग्री के साथ ह्यूमन रिसोर्स और कम्युनिकेशन करियर भी एक अच्छा विकल्प है। पब्लिक और प्राइवेट दोनों क्षेत्रों में उपलब्ध इन भूमिकाओं में कर्मचारी संतुष्टि, व्यावसायिक विकास, प्रशिक्षण, भर्ती, पीआर, पेरोल और आंतरिक संचार जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

इंटरनेशनल रिलेशन में पीएचडी करना चाहते है तो मास्टर्स में न्यूनतम 55% अंक आवश्यक है। इसके अलावा इंटरनेशनल रिलेशन से संबंधित विषयों में पोस्ट ग्रेजुएशन या एम. फिल की डिग्री होनी चाहिए।

इंटरनेशनल रिलेशन में पीएचडी करना चाहते हैं क्या है प्रवेश प्रक्रिया

अगर आप भी इंटरनेशनल रिलेशन में पीएचडी करना चाहते है तो मास्टर्स में न्यूनतम 55% अंक आवश्यक है। इसके अलावा इंटरनेशनल रिलेशन से संबंधित विषयों में पोस्ट ग्रेजुएशन या एम. फिल की डिग्री होनी चाहिए। यह 3-5 साल का कोर्स होता है। इसमें अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, अंतर्राष्ट्रीय संबन्ध, और विभिन्न देशों के बीच सम्बन्ध के कारकों और पहलुओं का अध्ययन और विश्लेषण किया जाता है। अगर आप भी इंटरनेशनल स्टडीज में पीएचडी करके राजनयिक के तौर पर काम करना चाहते है तो आइये जानते है इसमें नामांकन के लिए क्या योग्यताएं होनी चाहिये।

योग्यता

- संबंधित विषय में एम फिल की डिग्री या पोस्ट ग्रेजुएशन होना चाहिए।
- उम्मीदवार के पास मास्टर डिग्री में न्यूनतम 55% अंक होना आवश्यक है।
- विश्वविद्यालयों द्वारा भी परीक्षाएं आयोजित कराई जाती है।
- आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों के लिए 5% अंकों की छूट दी जाती है।
- यूजीसी-नेट जैसी राष्ट्रीय परीक्षाओं भी आयोजित की जाती हैं।
- प्रवेश परीक्षा के बाद साक्षात्कार होता है अगर आपने उसमें अच्छा स्कोर किया तो आपको स्कॉलरशिप भी मिल सकती है।

रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया

पीएचडी इन इंटरनेशनल स्टडीज के लिए भारत के टॉप कॉलेजों द्वारा अपनाई जाने वाली एडमिशन प्रोसेस इस प्रकार है

- ऑफिशयल वेबसाइट पर जाएं।
- ऑफिशयल वेबसाइट पर जाने के बाद आवेदन फॉर्म भरें।
- फार्म को ध्यान से भरें नहीं तो आपका फार्म रिजेक्ट हो सकता है
- सभी दस्तावेज जो भी मांगे गए है उनको अपलोड करिये।
- ऑनलाइन फॉर्म की फीस जमा करें।
- फार्म को सबमिट करें।

प्रवेश परीक्षा

अगर आप किसी अच्छी यूनिवर्सिटी में प्रवेश लेना चाहते है तो प्रवेश परीक्षा में अच्छा स्कोर करना पड़ेगा। रजिस्ट्रेशन के बाद एडमिट कार्ड जारी किये जाते है। जिनमे परीक्षा की सारी जानकारी होती है। प्रवेश प्रक्रिया सीएसआईआर यूजीसी नेट, एसआईयू पीईटी, एमिटी यूनिवर्सिटी पीईटी जैसे एंट्रेंस एग्जाम पर निर्भर करती है।

प्रवेश प्रक्रिया

परीक्षा परिणाम के लिए आप वेबसाइट से जानकारी प्राप्त कर सकते है, प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के लिए बुलाया जाता है। साक्षात्कार में सफल होने के बाद डॉक्टरेट स्तर पर इंटरनेशनल स्टडीज का अध्ययन करने के लिए एडमिशन दिया जाता है।

पीएचडी इन इंटरनेशनल स्टडीज- सिलेबस

- एडवांस्ड थ्योरी ऑफ इंटरनेशनल रिलेशन
- एडवांस्ड रिसर्च मेथेड
- फेमिनिस्ट इंटरनेशनल रिलेशन
- थिसिस
- शांति और संघर्ष अध्ययन

देश के कुछ टॉप कॉलेज

- झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय
- सिम्बायोसिस लॉ स्कूल, पुणे
- लाजपत राय लॉ कॉलेज
- शिव नादर विश्वविद्यालय
- गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय
- रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी
- एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा
- कलिंग विश्वविद्यालय
- पंजाब विश्वविद्यालय
- पी.पी. सवानी विश्वविद्यालय
- यूएनओएम, मद्रास विश्वविद्यालय
- गुरु नानक देव विश्वविद्यालय

क्रिएटिव राइटिंग सिर्फ शौक ही नहीं, करियर भी बन सकता है। इसी के साथ जुड़ा हुआ है एक और करियर, जो है ट्रांसलेटर यानी अनुवादक का। इसके लिए तो अनेक संस्थानों में काफी स्कोप रहता है।

करियर भी बना सकता है क्रिएटिव राइटिंग का शौक

कहां है मांग?

रेलवे, बैंक, सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों (पीएसयू) आदि में अनुवादकों की अच्छी डिमांड रहती है। आप चाहें, तो फ्रीलांसर के तौर पर भी काम कर सकते हैं। वहीं इंटरप्रेटर के रूप में खुद को तैयार करके आप विभिन्न देशों के दूतावासों तथा विदेशी कंपनियों में जॉब पा सकते हैं। यह एक दिलचस्प जॉब है, जिसमें हर दिन कुछ नया सीखने को मिलता है। अभ्यास बहुत जरूरी लेखक बनने का हुनर कई लोगों में जन्मजात होता है मगर इस हुनर को मांजना बहुत जरूरी है। हर लिखने वाला प्रभावशाली नहीं होता। अगर आप भी बतौर क्रिएटिव राइटर करियर बनाना चाहते हैं, तो सरल, सहज और प्रभावी लिखने का अभ्यास करते रहें। पुराने क्लासिक्स से लेकर नए, प्रमुख लेखकों की किताबें तथा पत्र-पत्रिकाओं मे छपने वाले उनके कॉलम जरूर पढ़ते रहें। आप जितना ज्यादा पढ़ेंगे, उतना ही आपका लेखन निखरेगा। यहां ध्यान रखने वाली बात यह है कि आप सीखें सबसे लेकिन लिखते समय अपनी मौलिक पहचान जरूर बनाए रखें। आपके लेखन में किसी अन्य लेखक की नकल या प्रभाव नहीं दिखना चाहिए।

कहां से पढ़ें?

यदि आप करियर के तौर पर क्रिएटिव राइटिंग या ट्रांसलेशन को अपनाना चाहते हैं, तो बेहतर होगा कि आप इसके लिए बाकायदा कोर्स कर लें। क्रिएटिव राइटिंग का कोर्स इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय तथा अन्य प्रमुख विश्वविद्यालयों से किया जा सकता है। वहीं ट्रांसलेटर या इंटरप्रेटर बनने के लिए आपको केंद्रीय हिंदी संस्थान या किसी अन्य आधिकारिक संस्थान से अनुवाद का कोर्स करना होगा।

अगर आप सक्सेसफुल करियर बनाना चाहते हैं, तो आपके अंदर बेहतर कम्युनिकेशन स्किल का होना बेहद जरूरी है। क्योंकि एक अच्छी कम्युनिकेशन स्किल से आप अपने करियर को उच्च स्तर तक ले जा सकते हैं। कम्युनिकेशन स्किल आपकी पर्सनेलिटी का ही हिस्सा है, इसलिए अपनी पर्सनालिटी को इंप्रूव करने के लिए आपको अपनी कम्यूनिकेशन स्किल भी बेहतर करनी होगी।

पर्सनालिटी को इंप्रूव करने के लिए जरूरी है कम्युनिकेशन स्किल

कम्युनिकेशन स्किल बातचीत करना की एक कला है। ये बिल्कुल भी जरूरी नही है कि हर इंसान को बात करने की कला या सही तरीका आता हो। कम्युनिकेशन स्किल का डिग्री और पढ़ाई-लिखाई से भी कुछ लेना देना नहीं है, क्योंकि ये जरूरी नही है कि हर पढ़े-लिखे और डिग्रीधारी शख्स की कम्युनिकेशन स्किल अच्छी ही हो। लेकिन कुछ बातों का ध्यान रखकर इसमें सुधार जरूर किया जा सकता है।

बॉडी लैंग्वेज सही रखें

यह एक तरह का नॉन-वर्बल कम्युनिकेशन होता है, जिसमें आप बिना कुछ बोले बॉडी के हाव-भाव से सब कुछ कह देते हैं। बॉडी लैंग्वेज को देखकर आप सामने वाले पर्सन के बारे में सब कुछ समझ जाते हैं, तो अगर आप अपनी कम्युनिकेशन स्किल्स को बढ़ाना चाहते हैं तो आपको अपनी बॉडी लैंग्वेज को सही रखना जरूरी है। अपनी बॉडी लैंग्वेज के द्वारा आप सामने वाले को अपनी बात आसानी से समझा सकते हैं, लोगों से बात करते समय या मीटिंग्स में जेब में हाथ डालकर या हाथों को फोल्ड करने नहीं रखना चाहिए है आपको सामने वाले को अपनी बात समझाने के लिए अपनी बॉडी लैंग्वेज का सही तरह से यूज करना चाहिए।

दूसरों की बातें ध्यान से सुनें

अगर आप अपनी कम्युनिकेशन स्किल्स को इंप्रूव करना चाहते हैं तो आपको कोई दूसरों भी बात को भी बहुत ही ध्यान से सुनना होगा। इससे आप उसकी बातों को अच्छे से समझ सकेंगे। शुरुआत में बात करते समय आपसे कुछ गलतियां भी हो सकती हैं, लेकिन जब आप डेली प्रैक्टिस करते रहेंगे तो गलतियां कम होंगी और आप सही से कम्युनिकेशन कर सकेंगे। इसीलिए किसी भी बात को अच्छे से सुनिए फिर बोलना सीखिए।

सामने वाले को समझें

अगर आप किसी से कम्युनिकेशन कर रहे है, तो आपको उसकी बातों को अच्छे से समझने के साथ उसे भी समझना होगा कि वो आपसे क्या कहना चाहता है। तभी आप उसके साथ कम्युनिकेशन कर पाएंगे। इसलिए पहले सामने वाले पर्सन की बातों को अच्छे से समझें कि वो क्या कहना चाहता है, कैसा एक्सप्रेशन दे रहा है और उसको अच्छे से समझने के बाद आप अपना जवाब दें।

सही शब्दों का प्रयोग करें

किसी से बात करते समय आपको सही शब्दों का यूज करना चाहिए। इसके लिए डेली नये शब्दों को सीखें और उन्हें लोगों से बात करते समय यूज करें। स्टार्टिंग में आपको लोगों से बात करते समय अपनी आवाज को स्लो रखना है और सही शब्दों को बोलना है, बहुत बार ऐसा होता है कि जल्दी-जल्दी में लोग कम्युनिकेशन करते समय गलत शब्दों का प्रयोग कर जाते हैं, आपको धीरे बोलना है और अपने शब्दों को स्पष्ट बोलना है। जिससे सामने वाला व्यक्ति आपकी बात को अच्छे से समझ सके।

रोज प्रैक्टिस करें

अगर आप दिल से अपनी कम्युनिकेशन स्किल को इम्प्रूव करना चाहते हैं, तो आपको डेली प्रैक्टिस करनी होगी। आपको डेली कम्युनिकेशन के कुछ वर्ड्स याद करने होंगे और इन याद किये गये वर्ड्स को हफ्ते में 2 बार दोहराना होगा। क्योंकि अगर आप एक बार पढ़ने के बाद इन्हें दोबारा देखेंगे नहीं तो भूल जायेंगे। रोज थोड़ा टाइम अपनी कम्युनिकेशन पर दीजिए, डेली कुछ नये वर्ड्स सीखिए। इससे आपकी कम्युनिकेशन स्किल बेहतर होगी।

प्वॉइंट टू प्वॉइंट बात करें

चाहे आपका फ्रेंड हो या कोई अन्य व्यक्ति, किसी से भी बात करते समय ध्यान रखें कि आपको प्वॉइंट टू प्वॉइंट बात करना है। किसी से बात करना होता है तो आपको बिना डरे खुल कर बात करना चाहिए। अगर आप इधर उधर की बात करेंगे तो जिस प्वाइंट पर आप बात करना चाहते हैं, उसपर नहीं कर पाएंगे। साथ ही सामने वाला व्यक्ति भी कंफ्यूज रहेगा।

आई कांटेक्ट रखें

यह ध्यान रखें कि आप जब भी किसी से बात करें तो सामने वाले से आई कांटेक्ट बनाये रखें। इससे हमारी सिंसेरिटी और इंटरेस्ट दिखाई देता है और साथ ही हमारे इमोशन्स भी साफ-साफ दिखाई देते हैं। ये हमारी कम्युनिकेशन स्किल्स को भी इफेक्टिव बनती है। वहीं ऐसे बात करते समय आपका कॉन्फिडेंस भी बढ़ता है।

कॉफिडेंट रहें

किसी से बात करते समय कॉफिडेंट रहना जरूरी होता है। यह तभी हो पाएगा जब आप निडर होंगे, श्योर होंगे और जब आप बाहर की आवाजों पर डिपेंडेंट नहीं होंगे। इसीलिए स्टार्टिंग में जब भी आप किसी से बात करें, तो अपनी गलतियों से डरे नहीं, क्योंकि गलतियां होना एक नार्मल बात है, लेकिन जब धीरे-धीरे आप बोलना सीख लेंगे, आपकी कम्युनिकेशन स्किल्स अच्छी हो जाएगी तो आप पूरे कॉन्फिडेंस के साथ किसी भी फंक्शन में, पार्टी में, मीटिंग्स में या कहीं पर भी बोल सकेंगे।

आप के प्रतिनिधिमंडल ने चुनाव आयोग से की मुलाकात

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सात सदस्यय प्रतिनिधिमंडल के साथ चुनाव आयोग से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल में मुख्यमंत्री आतिशी, संजय सिंह, पंकज गुप्ता, जस्मीन शाह, राघव चड्ढा और रीना गुप्ता शामिल रहे। इस दौरान अरविंद केजरीवाल ने आरोप लगाया कि भाजपा दिल्ली में लोगों के वोट कटवाकर एक भारतीय नागरिक के रूप में मिले उनके अधिकारों को छीन रही है। बाद में केजरीवाल ने मुलाकात का विवरण देते हुए बताया कि केंद्रीय चुनाव आयोग ने हमारी शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए एक्शन लेने का आश्वासन दिया है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हम लोग चुनाव आयोग के आभारी हैं कि उन्होंने शॉर्ट नोटिस पर हमें मिलने का समय दिया। हमने चुनाव आयोग के सामने तीन हजार पेज के सबूत रखे कि किस तरह भाजपा दिल्ली के मौजूदा लोगों, जो लोग अपने घरों में कई सालों से रह रहे हैं, उन लोगों के बहुत बड़े स्तर पर हजारों की तादाद

में वोट कटवाने का षड्यंत्र रच रही है। ज्यादातर गरीब, एससी, दलितों, पूर्वांचलियों, जो झुग्गियों और कच्ची कॉलोनियों में रहते हैं, ऐसे लोगों के वोट कटवाने का षड्यंत्र रचा जा रहा है। आप सोच सकते हैं कि एक आम आदमी के लिए एक वोट के क्या मायने होते हैं। एक वोट बनने से वह इस देश का नागरिक बनता है। तो जब आप किसी वैध आदमी का वोट कटवा देते हैं, तो आप उसका नागरिकता का आधार छीन रहे हैं। इस देश में रहने का अधिकार छीन रह रहे हैं। इसके अलावा, वोट के आधार उस आदमी को बहुत सारे लाभ सरकार से मिल रहे हैं, उन सारे लाभ से आप उन्हें वंचित कर देते हैं।केजरीवाल ने कहा कि जिन लोगों ने गलत तरीके से वोट काटने के लिए आवेदन किया है,

उनके खिलाफ एफआईआर होनी चाहिए। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हमारी मांग थी कि यह बड़े पैमाने पर वोट काटने का काम बंद किया जाए, क्योंकि अभी-अभी चुनाव आयोग ने समरी रिवीजन किया है।

मनी लांड्रिंग मामले में जीशान-नासिर को मिली जमानत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस एएस ओका की अध्यक्षता वाली बेंच ने दिल्ली वक्फ बोर्ड में भर्ती में गड़बड़ियों से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में जीशान हैदर औ? दाऊद नासिर को जमानत दे दी है। इस मामले में आम आदमी पार्टी के विधायक अमानतुल्लाह खान भी आरोपित हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि दोनों आरोपित 11 नवंबर, 2023 से हिरासत में हैं और ट्रायल कोर्ट में अभी आरोप भी तय नहीं किए गए हैं। इस मामले में 29 गवाह हैं और चार हजार पेजों के पचास से ज्यादा दस्तावेज हैं, जिन्हें ईडी ने साक्ष्य के रूप में पेश किया है। इस मामले में 23 नवंबर 2016 को सीबीआई ने एफआईआर दर्ज की थी। जांच के बाद सीबीआई ने 21 अगस्त, 2022 को राऊज एवेन्यू कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की थी।

सफदरजंग अस्पताल में स्तनपान प्रबंधन यूनिट की शुरूआत

नई दिल्ली

सफदरजंग अस्पताल में बुधवार को स्तनपान प्रबंधन यूनिट (एलएमयू) की शुरूआत की गई। यह केन्द्र सालाना 2000 नवजात शिशुओं को लाभान्वित करेगा, जो सफदरजंग अस्पताल के मदर न्यूबॉर्न इंटेंसिव केयर यूनिट (एमएनआईसीयू) में भर्ती होंगे। इस केन्द्र की शुरूआत के अवसर पर अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. संदीप बंसल ने इसे महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए समय की जरूरत बताया। उन्होंने कहा कि अध्ययनों से पता चला है कि स्तनपान भारत की अर्थव्यवस्था में 626 मिलियन अमेरिकी डालर जोड़ सकता है। स्तनपान प्रबंधन यूनिट की सुविधा सफदरजंग अस्पताल में नवजात मृत्यु दर और रुग्णता को काफी हद तक कम करेगी। मदर न्यूबॉर्न इंटेंसिव केयर यूनिट की प्रभारी डॉ. सुगंधा आर्य ने बताया कि देश में प्रति वर्ष 27 मिलियन बच्चे जन्म लेते हैं। इनमें पैदा हुए औसतन प्रति 1,000 जीवित बच्चों के मुकाबले 20 नवजात की मृत्यु हो जाती है। नव स्थापित 40 बिस्तरों वाला यह केन्द्र माताओं और शिशुओं के लिए वरदान साबित होगा। नवजात शिशुओं के लिए मां का दूध सबसे अच्छा भोजन है। इस केन्द्र से हर छोटे और बीमार नवजात को मां का अपना दूध उपलब्ध होगा। उन्होंने बताया कि देश में अधिकांश स्तनपान प्रबंधन इकाइयां एक ही अस्पताल में जन्मे शिशुओं (इंट्राम्यूरल शिशुओं) के लिए काम कर रही हैं। यह केंद्र सरकार के अस्पतालों में रेफर किए गए शिशुओं के लिए पहला एलएमयू है।

एयरपोर्ट पुलिस की एजेंटों पर कार्रवाई 11 महीने में 540 गिरफ्तार, 254 गाड़ियां भी हुई जब्त

डीसीपी ने बताया कि गिरफ्तार किए गए 540 दलालों में 373 दिल्ली के, 107 उप्र के, 32 हरियाणा के, 11 बिहार के और बाकी राजस्थान, पंजाब, महाराष्ट्र, उत्तराखंड और सिक्किम के रहने वाले हैं

नई दिल्ली। आईजीआई एयरपोर्ट पर रोजाना हजारों की संख्या में हवाई यात्री दूसरे देशों से भारत आते व जाते हैं। वो एयरपोर्ट से बाहर निकलकर होटल में या अपने गंतव्य स्थान पर जाने के लिए निकलते हैं। इस दौरान उन्हें किसी तरह की और असुविधा न हो दलालो के चक्कर में फंसकर वह मिस गाइड न हों या फिर उनके चक्कर में फंसकर ठगी का शिकार ना हों इसको लेकर लगातार एयरपोर्ट पुलिस दलालों के ऊपर शिकंजा कसने का अभियान चलाती रहती है। इस संदर्भ में अब तक 540 दलालों को गिरफ्तार किया जा चुका है। साथ ही उनकी 254 गाड़ियों को भी जब्त किया जा चुका है। यह कार्रवाई लगातार चल रही है। पिछले साल 2023 के मुकाबले इस बार लगभग 2 गुना अधिक गिरफ्तारी की गई है। **2023 में 264 दलालों को दबोचा गया था और 96 गाड़ियों को जब्त किया गया था।**

डीसीपी एयरपोर्ट उषा रंगनानी ने बुधवार को बताया कि विश्व में एयरपोर्ट की छवि खराब ना हो और दूसरे देशों से आने वाली हवाई यात्री इन दलालों के चंगुल में न फंस सकें, इसके लिए जीरो टॉलरेंस पॉलिसी के तहत लगातार एयरपोर्ट पुलिस कार्रवाई कर रही है। लगातार फूट पेट्रोलिंग, मोटरसाइकिल पेट्रोलिंग के अलावा ज्वाइंट ऑपरेशन भी चलाया जाता है। जिससे कि लगातार इनके खिलाफ करवाई होती रहे।

पुलिस के अनुसार एक दो बड़े ऐसे मामलों में एयरपोर्ट पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। जिसमें मोटी रकम ठग ली गई थी।

डीसीपी ने बताया कि गिरफ्तार किए गए 540 दलालों में 373 दिल्ली के, 107 उप्र के, 32 हरियाणा के, 11 बिहार के और बाकी राजस्थान, पंजाब, महाराष्ट्र, उत्तराखंड और सिक्किम के रहने वाले हैं। उल्लेखनीय है कि सक्रिय दलाल हवाई यात्रियों को निशाना बनाते हैं, खास करके रात के समय में उन्हें सस्ती दरों पर सेवा का प्रलोभन देकर उन्हें मिस गाइड करते हैं। ऐसे दलालों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए कानूनी प्रावधान भी है। सितंबर में विदेशी नागरिक से 98,700 ठग लिए गए थे, जब वह हवाई यात्री रात के समय एयरपोर्ट पहुंचा था। दलालों ने यह कहकर ठगी किया कि दिल्ली में हैवी प्रोटेस्ट हो रहा है और उस वजह से होटल और पब्लिक ट्रांसपोर्ट बंद है। उसकी जगह बेहतर इंतजाम करने के बदले मोटी रकम ठग लिया था। उस मामले में पुलिस ने 24 घंटे के अंदर चार लोगों को गिरफ्तार किया था और उनसे कैश भी बरामद किया गया था।

जांच के दौरान दिल्ली पुलिस मानवाधिकार कार्यकर्ता नदीम खान को गिरफ्तार नहीं करेगी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने बुधवार को दिल्ली हाई कोर्ट में कहा कि मानवाधिकार कार्यकर्ता नदीम खान को जांच के दौरान गिरफ्तार नहीं किया जाएगा। सुनवाई के दौरान नदीम खान ने भी जांच में सहयोग करने का भरोसा दिया। इसके बाद जस्टिस जसमीत सिंह की बेंच ने नदीम खान के खिलाफ साकेत कोर्ट की ओर से जारी गैरजमानती वारंट को निरस्त करते हुए याचिका का निस्तारण कर दिया। नदीम खान जांच में सहयोग कर रहे हैं और आगे भी जांच में सहयोग करते रहेंगे।

केजरीवाल को मालूम है वह लड़ाई हार रहे हैं: सचदेवा

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा है कि आज पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की स्थिति एक ऐसे हताश सेनापति जैसी है, जिसे मालूम है कि वह लड़ाई हार रहा है, बस अब वह हार को ढंकने के बहाने ढूंढ रहे हैं। अरविंद केजरीवाल का आज मुख्य चुनाव अधिकारी से मिलने जाना उनकी घबराहट बौखलाहट का प्रमाण है।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने एक बयान में कहा कि दिल्ली की जनता हो या भाजपा कार्यकर्ता सब अपने घरों के आसपास के नकली वोट कटवाने में लगे हैं। दिल्ली वालों को जहां भी रोहिंग्या, बांग्लादेशियों या अन्य घुसपैठियों के वोट बनने की जानकारी मिल रही है, वह उन्हें कटवाने के लिए खुद आपत्ति कर रहे हैं। भाजपा साफ कह रही है कि हम केवल घुसपैठिए वोटों पर आपत्ति कर रहे हैं या मृतक वोट काटने की कह रहे हैं या फिर नकली पते पर बने वोट। ऐसे में अरविंद केजरीवाल एवं आम आदमी पार्टी की घबराहट साफ दिखा रही है की यह अवैध वोट "आआपा" की राजनीतिक शक्ति थे। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि अरविंद केजरीवाल एवं "आआपा" चाहे जितना शोर मचा लें, भाजपा अवैध घुसपैठियों, मृतकों और नकली पते पर बने वोटों के विरुद्ध अभियान चलाती रहेगी।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने ऑटो चालकों से मुलाकात कर किए सात वादे

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने बुधवार को हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन पर टैक्सी और ऑटो रिक्शा चालकों से मुलाकात की और ऑटो चालकों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने केजरीवाल के दस साल के शासन पर सवाल खड़े किए। उनके साथ भाजपा के स्थानीय नेता भी मौजूद रहे। ऑटो चालकों से मिलने के बाद वीरेन्द्र सचदेवा ने आआपा को संयोजक अरविन्द केजरीवाल की आलोचना करते हुए कहा कि पिछले 10-12 वर्षों में उन्होंने ऑटो चालकों को केवल धोखा ही दिया है और उनके उत्थान के लिए कुछ नहीं किया है। चुनाव नजदीक देख वे एक बार फिर नई-नई घोषणाएं कर रहे हैं।

सचदेवा ने सवाल किया कि मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि वे अब तक किसका इंतजार कर रहे थे? सरकार उनकी है। वे खुद मुख्यमंत्री रहे और अब उनका मोहरा मुख्यमंत्री हैं। तब आज या अब भी ऐसा करने में क्या दिक्कत है। हमारे ऑटो चालक भाई समझते हैं कि पिछले 10 सालों में केजरीवाल सरकार ने उन्हें सिर्फ ठगा है और धोखा दिया है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन पर टैक्सी और ऑटो रिक्शा चालकों से मुलाकात के दौरान कहा, सिर्फ घर पर चाय पर बुलाने और उनसे बात करने से आपके परिवारों का जीवन बेहतर नहीं हो सकता। हमें उनकी वास्तविक समस्या को समझना हो और उसका समाधान करना होगा। दिल्ली में पिछले 10 वर्षों में मैंने ऑटो चालकों के साथ लगातार संवाद किया है और मैं उनकी वास्तविक स्थिति से परिचित हूं। उसी को आधार बनाकर हमने सात प्रमुख बातों को अपनी पहली प्राथमिकता में शामिल किया है। सचदेवा ने कहा कि दिल्ली में भाजपा सरकार बनाने के बाद ऑटो चालकों के लिए काम करेगी। भाजपा नेता ने ऑटो वालो से सात वादे किए हैं। पहला, हर लाइसेंस धारी ऑटो वाले के बच्चों की स्कूली शिक्षा मुफ्त होगी और उनके उच्च शिक्षा लेने के इच्छुक बच्चों को सरकार वजीफा देगी।

सांसद बांसुरी स्वराज को नोटिस, सुनवाई 22 फरवरी को

नई दिल्ली

दिल्ली के रोहिणी कोर्ट ने दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन की भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज के खिलाफ दायर दीवानी मानहानि मामले पर सुनवाई करते हुए बांसुरी स्वराज को नोटिस जारी किया है। सीनियर सिविल जज नैना गुप्ता ने मामले की अगली सुनवाई 22 फरवरी को करने का आदेश दिया। सत्येंद्र जैन ने बांसुरी स्वराज के अलावा एक न्यूज चैनल और ट्विटर को भी पक्षकार बनाया है। सत्येंद्र जैन ने दीवानी मानहानि के जरिये बांसुरी स्वराज से एक रुपये के मुआवजे का दावा किया है। सत्येंद्र जैन ने बांसुरी स्वराज के खिलाफ राऊज एवेन्यू कोर्ट में आपराधिक मानहानि का भी केस दायर कर रखा है। आपराधिक मानहानि के मामले पर राऊज एवेन्यू कोर्ट 16 दिसंबर को फैसला सुनाएगा। सत्येंद्र जैन ने याचिका दायर कर कहा है कि बांसुरी स्वराज के बयान ने उनकी छवि को खराब करने की कोशिश की है। सत्येंद्र जैन ने कहा है कि बांसुरी स्वराज ने कहा था कि उनके घर से तीन करोड़ रुपये बरामद किए गए थे।

याचिका में कहा गया है कि बांसुरी स्वराज ने अपने बयान में कहा कि उनके घर से 1.8 किलोग्राम सोना औ? 133 सोने के सिक्के मिले थे। याचिका में कहा गया है कि बांसुरी स्वराज ने 5 अक्टूबर, 2023 को टीवी चैनल पर प्रसारित एक इंटरव्यू में उनकी छवि खराब करने वाले बयान दिए थे। इस बयान में बांसुरी स्वराज ने सत्येंद्र जैन को भ्रष्ट और फर्जी करार दिया था।

नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर कैंप का आयोजन

पूर्वी दिल्ली । विश्वास नगर विधानसभा क्षेत्र के सैनी एन्क्लेव में स्थित पुष्पाजंलि कॉमन पार्क में एक एनजीओ के प्रदान, भाजपा कार्यकर्ता सुशील तिवारी ने क्षेत्रवासियों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर कैंप का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि भारत सरकार के मंत्री हर्ष मल्होत्रा, जिलाध्यक्ष संजय गोयल, , विधायक ओम प्रकाश शर्मा, पूर्व मंत्री अरविंद सिंह लवली, निगम पार्षद पंकज लूथरा, निगम पार्षद मोनिका पंत, शाहदरा जिला प्रभारी अनिल गुप्ता, पूर्व विधायक नसीब सिंह समेत भाजपा कार्यकर्ता,

अनेकों क्षेत्रवासी और एनजीओ के तमाम सदस्य मौजूद रहें है। इस दौरान सांसद हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि अभी कुछ महीनें पहले भाजपा कार्यकर्ता सुशील तिवारी अपनी टीम और एनजीओ के माध्यम से सैनी एन्क्लेव, आनंद विहार इलाके लगभग 2000 के करीबन अनेकों तरह के पौधारोपण किए थे, साथ ही क्षेत्रवासियों की भलाई की चिंता करते हुए एनजीओ के प्रदान सुशील तिवारी ने अपनी टीम और डॉक्टर्स के संयोग से स्वास्थ्य शिविर कैंप लगाकर बहुत नेक कार्य किया है।

आप के विधायकों के खिलाफ भाजपा ने चार्ज शीट जारी की: विजेंद्र गुप्ता

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं भाजपा की आरोप पत्र समिति के संयोजक विजेंद्र गुप्ता ने बुधवार आम आदमी पार्टी (आआपा) और उनके विधायकों के खिलाफ अन्य 15 विधानसभाओं की चार्ज शीट जारी की। आज जिन विधानसभाओं की चार्जशीट जारी की गई हैं उनमें हैं शाहदरा, आदर्श नगर, पटपड़गंज, पालम, अंबेडकर नगर, महरौली, संगम विहार, देवली, तिमारपुर, बिजवासन, तुगलकाबाद, बाबरपुर, मुस्तफाबाद, सीमापुरी और सीलमपुर विधानसभा जारी की गई चार्जशीट्स में टैगलाईन दिल्ली सरकार हुई कंगाल, आआपा विधायक मालामाल, शीश महल में केजरीवाल है। विजेंद्र गुप्ता ने बताया कि प्रदेश

भाजपा की ओर से तैयार की गई इन चार्जशीट को हर विधानसभा क्षेत्र के घर-घर में पहुंचाया जाएगा ताकि क्षेत्र की जनता आआपा के विधायकों की असफलता और कारगुजारियों से वाकिफ हो सके। गुप्ता ने कहा कि आम आदमी पार्टी के प्रति लोगों की बेरुखी देखकर पार्टी के नेता बौखलाहट महसूस कर रहे हैं और इसी हताशा के चलते पार्टी अपने वर्तमान विधायकों की टिकट काटने में लगे हुए हैं। आआपा के विधायक क्षेत्र की जनता के सवालों का जवाब देने में असमर्थ हो चुके हैं और इसीलिये अपने-अपने इलाकों से गायब हो गये हैं। गुप्ता ने कहा कि आआपा ने पिछले दस सालों से दिल्ली की जनता की समस्याओं पर कोई ध्यान नहीं दिया। पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल समेत उनके सभी बड़े नेता भ्रष्टाचार में लिप्त रहे और दिल्ली की जनता को बरगलाते रहे। झूठे दिलासों और धोखाधड़ी की राजनीति करने वाली आआपा की सरकार ने शिक्षा और स्वास्थ्य क्रांति के झूठे दावे पेश कर करके दस साल तक दिल्ली की जनता को बहलाया और नई-नई परियोजनाओं के नाम पर करोड़ों रुपये का हेरफेर कर दिल्ली के खजाने को लूटते रहे। और जब खजाना खाली हो गया तो कर्मचारियों को सैलरी देने लायक पैसे भी नहीं बचे तो केंद्र सरकार से मुख्यमंत्री आतिशी ने दस हजार करोड़ रुपये का लोन लेने का फैसला कर लिया। गुप्ता ने कहा कि स्वास्थ्य योजनाओं के नाम पर आआपा की सरकार ने दिल्ली के खजाने में बंदरबाट की है। आम आदमी पार्टी की दिल्ली सरकार स्वास्थ्य सेवाओं की बेहतरी को लेकर जनता से किए गए वादों को पूरा करने में पूरी तरह से विफल रही है।

पूरी दुनिया में अपनी स्वास्थ्य सेवाओं का ढिंढोरा पीटने वाली आआपा सरकार की हकीकत यह है कि दिल्ली की जनता आज भी अस्पतालों की भारी भीड़, चिकित्सा संसाधनों की कमी और अस्पताल में बिस्तरों और दवाइयों के अभाव से जूझ रही है। आम आदमी पार्टी की सरकार के खोखले वादों की वजह से दिल्ली की जनता अपने स्वास्थ्य की सुरक्षा के मामले में खुद को ठगा हुआ महसूस कर रही है।

संरक्षक: संजय शुक्ला,(सत्यम शिवम शुभम पीजी व लां कॉलेज टिकरी)

सलाहकार संपादक:

उपसंपादक: राकेश द्विवेदी

सह सपांदक: मोहम्मद दानिश फारुकी ,

सहायक संपादक: रिजवान सैफ खान,

सह संपादक: राम सिंह यादव

उक्त सभी पद अवैतनिक है

दिल्ली की जनता डबल इंजन की सरकार लाने की तैयारी कर रही है: मनोज तिवारी

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने आज से दिल्ली के 3800 शक्ति केन्द्रों पर नुक्कड़ सभाओं के आयोजन की घोषणा की। इस कड़ी में आज दिल्ली में 256 मंडलों के प्रमुख शक्ति केन्द्रों पर आयोजित नुक्कड़ सभाओं के माध्यम से अरविंद केजरीवाल की पिछले 10 सालों की नाकामियों और स्थानीय समस्याओं से जनता को अवगत कराया गया। इस मौके पर विभिन्न स्थानों पर भाजपा सांसद, प्रदेश पदाधिकारियों सहित स्थानीय वक्ता उपस्थित थे। सांसद मनोज तिवारी ने संत नगर बुराड़ी में, प्रदेश महामंत्री एवं सांसद कमलजीत सहरावत ने नवादा में, सांसद बांसुरी स्वराज ने हौज खास मंडल में, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश उपाध्याय ने मालवीय नगर में, भाजपा नेता सुमित भसीन ने जनकपुरी में आयोजित नुक्कड़ सभाओं में भाग लिया।

भाजपा नेतओं ने नुक्कड़ सभा देखने आए सभी को आरोप पत्र दिया, जिसमें स्थानीय समस्याओं के साथ-साथ दिल्ली की केजरीवाल सरकार की पिछले 10 सालों में किए गए भ्रष्टाचारों का विवरण दिया गया है। मनोज तिवारी ने कहा कि बुराड़ी की जनता ने ना सिर्फ यहां जलभराव की समस्या देखी है बल्कि इस जलभराव के कारण छात्रों को दम तोड़ते हुए भी देखा है।

बैंक्वेट हॉल में लगी आग, दमकल की पांच गाड़ियों ने पाया काबू

नई दिल्ली। दिल्ली के यमुनापार शास्त्री पार्क इलाके में बुधवार शाम बैंक्वेट हॉल में आग लग गई। मामले की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस के अलावा दमकल की पांच गाड़ियां मौके पर पहुंची और कुछ ही देर में

आग पर काबू पाया। घटना में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। फिलहाल पुलिस आग लगने के कारणों की जांच कर रही है।

सबसे तेज प्रयागराज, मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी संपादक हनुमान प्रसाद शुक्ल द्वारा विपिन इंटरप्राइजेस 1/6सी/1 मास्टर जरूहुल हसन रोड़, कटरा, प्रयागराज से मुद्रित कराकर, करीमुददीनपुर पोस्ट अटरामपुर नवाबगंज प्रयागराज से प्रकाशित। मो नं. 9452842169। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आ.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में होगा। आपत्तियां एक सप्ताह के अंदर ही स्वीकार की जाएगी। समाचार पत्र की जिम्मेदारी लेखक व संवाददाता की होगी